हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 19 नवंबर 2024 | अंक 37 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

राष्ट्र-महाराष्ट्र में अपनी सरकार हर सपना होगा साकार

स्थायी और मज़बूत सरकार से होगा सक्षम और समृद्ध महाराष्ट्र का निर्माण

भाजप-महायुती आहे, तर गती आहे

महाराष्ट्राची प्रगती आहे

*Matter related to "Clock" symbol of the NCP is sub-judice in the Supreme Court.

शिवसेना

भारतीय जनता पार्टी, महाराष्ट्र

महायुतीला मतदान करा आणि विजयी करा

Published By: Bharatiya Janata Party, Maharashtra | C.D.O Barrack No. 1, Nariman Point, Mumbai - 400020

15 रुपए सस्ता हुआ टमाटर

> केंद्र सरकार ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार ने टमाटर की कीमतों को लेकर बड़ा अपडेट दिया है. सरकार ने कहा है कि बीते एक महीने में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में औसत टमाटर की कीमतों में 22 फीसदी से ज्यादा की कमी देखी गई है. जिसका प्रमुख कारण टमाटर सप्लाई बेहतर होना बताया जा रहा है. जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में टमाटर की कीमतों में और भी गिरावट देखने को मिल सकती है. आइए आपको भी बताते हैं.

कि आखिर सरकार की ओर से किस तरह की जानकारी दी गई है. उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि देशभर में आपूर्ति में सुधार के कारण टमाटर की खुदरा कीमतों में मासिक आधार पर 22.4 प्रतिशत की गिरावट आई है. आधिकारिक बयान के अनुसार, 14 नवंबर को टमाटर का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 52.35 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जो 14 अक्टूबर को 67.50 रुपये प्रति किलोग्राम था. इसका मतलब है कि टमाटर 15.15 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ता हो चुका है. इसी अवधि के दौरान, दिल्ली की आजादपुर मंडी में बढ़ती आवक के कारण मॉडल थोक मूल्य में लगभग 50 प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई, जो 5,883 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 2,969 रुपये प्रति क्विंटल हो गई. बयान में कहा गया है कि मौसम की अनुकूल स्थिति ने पैदावार और खेतों से उपभोक्ताओं तक आपूर्ति श्रृंखला के सुचारू संचालन, दोनों को समर्थन दिया है. वित्त वर्ष 2023-24 में देश का टमाटर उत्पादन चार प्रतिशत बढ़कर 213.20 लाख टन होने का अनुमान है.

Lexlegis.ai प्रस्तुत करता है इंटरैक्ट

> एक परिवर्तनकारी ए.आई. समाधान

मुंबई.

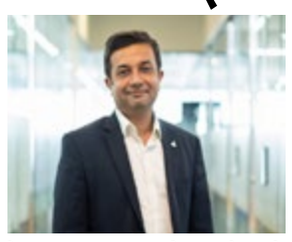

विधिक टेक्नोलॉजी और लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (एल.एल.एम.) में सबसे आगे, Lexlegis.ai ने परिवर्तनकारी सुविधा, इंटरैक्ट के पेशकश की घोषणा कर दी है, जिसे कानूनी व्यावसायियों द्वारा दस्तावेज़ की कार्य-प्रणाली का प्रबंधन, विश्लेषण और उन्हें अनुकूलित करने के तरीके को बदलने के लिए तैयार किया गया है। एक शक्तिशाली लीगल सर्च टूल के रूप में Lexlegis.ai की प्रतिष्ठा पर आधारित, इंटरैक्ट कानूनी प्रक्रियाओं को और भी अधिक सुचारु, तेज़ और अधिक कुशल बनाने के लिए ए.आई.-आधारित क्षमताओं को एकीकृत करते हुए इस प्लैटफ़ॉर्म के विकास को केस प्रबंधन के एक संपूर्ण समाधान के रूप में प्रदर्शित करता है।

दस्तावेज़ों की तुलना, विश्लेषण और अंतर्दृष्टि के प्राप्तिकरण के लिए कुशल उपकरणों के साथ कानूनी व्यावसायियों को सशक्त बनाने की इसकी क्षमता इंटरैक्ट का मुख्य आधार है। एकल, इंट्यूइटिव इंटरफ़ेस के साथ, इसका उपयोग करने वाले अब ये कार्य कर सकते हैं: कानूनी दस्तावेज़ों की तुलना करना: अंतरों की पहचान करने और संगतता को सुनिश्चित करने के लिए अनुबंधों, करारों या केस की फाइलों की सहजता से तुलना करना।

महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करना: लंबे कानूनी दस्तावेज़ों से महत्वपूर्ण विवरण प्राप्त करने या पी.डी.एफ. और चित्रों से लिखित सामग्री को स्कैन करने के लिए ए.आई. का लाभ उठाना, जिससे स्वयं ढूँढने के प्रयास न करने पड़ें।

दस्तावेज़ों का अनुवाद: कानूनी विषय-सामग्री को स्वचालित रूप से विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करना, जिससे सीमा पार के मामलों और सहयोगों को सुविधाजनक बनाया जा सके। कंपनियों या इन-हाउस टीमों में काम करने वाले कानूनी व्यावसायियों के लिए, सहयोगात्मक कार्य को बेहतर बनाने के लिए इंटरैक्ट एक बहुमूल्य उपकरण है। सुरक्षित, साझा कार्यक्षेत्र प्रदान करके, Lexlegis.ai क्लाइंट के संवेदनशील डेटा पर नियंत्रण बनाए रखते हुए और गोपनीयता के मानकों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कई उपयोगकर्ताओं को सहजता से मिलकर काम करने में सक्षम बनाता है।

विधिक कार्यप्रवाह में मुख्य चुनौतियों का समाधान करते हुए

इंटरैक्ट सुविधा को कानूनी टीमों द्वारा सदा बार-बार सामना की जाने वाली कुछ चुनौतियों से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया है - विशेष रूप से बड़ी मात्रा में विधिक लिखित सामग्री की समीक्षा और विश्लेषण की समय लगने वाली प्रक्रिया। यह उपकरण तुरंत महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, मानवीय त्रुटि के जोखिम को कम करते हुए स्वयं समीक्षा करने के समय को कम करता है। कुशल स्वचालन की यह प्रक्रिया वकीलों और कानूनी टीमों को अत्यंत महत्वपूर्ण गतिविधियों, जैसे केस की रणनीति, क्लाइंट की संबद्धता और लागू कानून के तर्कों के विकास की दिशा में अपने प्रयासों को मोड़ने में सक्षम बनाता है।

20 को शेयर बाजार में नहीं होगा कारोबार

नई दिल्ली. महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव प्रचार अब अपने आखिरी दौर में पहुंच गया है. राज्य की 288 सीटों पर 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे. ऐसी स्थिति में 48 घंटे पहले यानी 18 नवंबर की शाम को प्रचार थम जाएगा. वोटिंग के दिन बैंक और स्कूल में भी छुट्टी रहेगी. साथ में शेयर बाजार में भी उस दिन कारोबार नहीं होगा. बता दें कि विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे और 26 नवंबर को विधानसभा भंग कर दी जाएगी.एनएसई ने 8 नवंबर की अपनी अधिसूचना में कहा था कि एक्सचेंज महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के कारण बुधवार, 20 नवंबर, 2024 को कारोबारी अवकाश के रूप में अधिसूचित करता है. बता दें कि इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव और SLB सेगमेंट में ट्रेडिंग नहीं होगी. इतना ही नहीं करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में भी ट्रेडिंग बंद रखी जाएगी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज और नेशनल कमोडिटी एक्सचेंज सुबह 9 से शाम 5 बजे के बीच इस तारीख को कारोबार नहीं करेंगे. इस महीने बाजार में कुल 3 छुट्टियां देखी गई. 1 नवंबर को मुहूर्त ट्रेडिंग की वजह से बाजार बंद था. बस शाम को थोड़ी देर के लिए ओपेन किया गया था.

चांदी की चमक होगी तेज

नई दिल्ली.

चांदी की चमक हाल के दिनों में जोरदार बढ़ी है. घरेलू बाजार हो या ग्लोबल सभी जगहों पर चांदी की कीमतों में तेज इजाफा देखने को मिला है. घरेलू मार्केट में हाल ही चांदी ने 1 लाख रुपये प्रति किलो के पार जाने में सफलता हासिल की है जबकि इंटरनेलनल मार्केट में चांदी 12 सालों के हाई 34 डॉलर प्रति औंस तक जा पहुंची है. मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के मुताबिक एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 1.25 लाख रुपये प्रति किलो तक जा सकती है. 2024 की शुरुआत से ही चांदी की कीमतों में 10 डॉलर प्रकि औंस का इजाफा देखने को मिला है. चांदी की कीमतों में उछाल के लिए पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव से लेकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक की ओर ब्याज दरों में कटौती जिम्मेदार है. इससे सुरक्षित निवेश के तौर पर चांदी को देखा जा रहा है जैसे सोने में निवेश को सुरक्षित माना जाता है.

इससे निवेशकों के बीच चांदी को लेकर आकर्षण बढ़ा है. भारत में त्योहारों के मौके पर चांदी की मांग बढ़ने के चलते भी कीमतें बढ़ी है. तेजी मंडी के मुताबिक कुछ अनुमानों इस ओर इशारा कर रहे हैं कि चांदी का भाव कॉमैक्स पर साल 2024 के आखिर तक 40 डॉलर प्रति औंस को छू सकता है. साल 2011 के अप्रैल में चांदी ने 50 डॉलर प्रति औंस के लाइफटाइम हाई को छूआ था.

भारत में चांदी की कीमतें आर्थिक और वैश्विक कारणों से प्रभावित होती रही है. 2008 के वित्तीय संकट के दौरान चांदी की कीमतों में तेज गिरावट देखने को मिली थी हालांकि उसके बाद तेज रिकवरी भी लौटी. 2011 में वैश्विक अस्थिरता के माहौल में चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखा गया और सोने के समान इसे भी सुरक्षित निवेश के तौर पर दर्जा मिला. कोरोना महामारी के दौरान चांदी की कीमतों में तेज देखने उछाल देखने को मिला है.

225 प्रीमियम पर पहुंचा यह आईपीओ

नई दिल्ली. अगर आप इनिशियल पब्लिक आफरिंग यानी आइपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। इस सप्ताह एक और आईपीओ निवेश के लिए ओपन हो रहा है। यह आईपीओ-डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स सॉल्यूशन प्रोवाइडर सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स का है। कंपनी का आईपीओ 22 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा और निवेशक इस इश्यू में 26 नवंबर तक दांव लगा सकेंगे। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 214-226 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।यह 99 करोड़ रुपये का एक बुक-बिल्ट आईपीओ है,

नई शाखाएं खोलेगा एसबीआई

नई दिल्ली.

सरकारी स्वामित्व वाली बैंकिंग पीएसयू, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) वित्तीय वर्ष (वित्त वर्ष) 2025 में 500 नई शाखाएं खोलेगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को यह बात कही। एसबीआई की मुंबई स्थित मुख्य शाखा भवन के शताब्दी समारोह में बोलते हुए वित्त मंत्री ने बैंकिंग पीएसयू के प्रभावशाली विकास और बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र में इसके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि इस वित्तीय वर्ष 2025 में 500 शाखाएं खोली जाएंगी। आज 23,000 शाखाएं, 6580 एटीएम , 85,000 बैंकिंग पत्राचार, जमा 22.4 प्रतिशत, अग्रिम 19 प्रतिशत, 50 करोड़ से अधिक ग्राहक, 25 प्रतिशत डेबिट कार्ड व्यय, 22 प्रतिशत मोबाइल बैंकिंग लेनदेन और 25 प्रतिशत बैंक यूपीआई लेनदेन और 29 प्रतिशत एटीएम फुटप्रिंट हैं।वित्त मंत्री ने आगे बढ़ते हुए एसबीआई की ओर से अपनाए गए डिजिटल विकास की सराहना की और कहा कि बैंक ने अपनी सभी शाखाओं में डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास पर समान ध्यान दिया है।

उन्होंने कहा, "एसबीआई की ओर से लाए गए डिजिटल एप के आठ करोड़ से अधिक ग्राहक हैं और इसके इंटरनेट बैंकिंग ग्राहक, विशेष रूप से खुदरा क्षेत्र में अब कुल 13.2 ग्राहक करोड़ हैं। कुछ देशों की आबादी भी इतनी है, लेकिन आप इतने लोगों को सेवा दे रहे हैं और मैं समझता हूं कि आपके डिजिटल निवेश इतने मजबूत हैं कि यह प्रति दिन लगभग 20 करोड़ यूपीआई लेनदेन को संभाल सकता है। यह अपने आप में एक इतिहास है।

किसानों को मिलेंगे प्रति हेक्टेयर 5000

> ओएनजीसी में दूसरी तिमाही के नतीजे जारी

नई दिल्ली.

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सोयाबीन और कपास की खेती करने वाले किसानों के बैंक खातों में अतिरिक्त 5,000 रुपये प्रति हेक्टेयर भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मलयेशिया और इंडोनेशिया से खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाकर 27.5 फीसदी कर दिया गया है, ताकि घरेलू बाजारों में तेल की मिलें घरेलू किसानों से सोयाबीन खरीद सकें। केंद्रीय मंत्री ने भावांतर भुगतान योजना के बारे में भी बताया। भावांतर भुगतान योजना एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें सरकार किसानों को एमएसपी और जिस दर पर वे अपनी फसल बेचते हैं,

उसके अंतर की भरपाई करती है। उन्होंने कहा, दूसरी योजना में, आईसीएआर आलू, प्याज और टमाटर जैसी फसलों के लिए आदर्श दर निर्धारित करेगा और उत्पादन लागत पर किसानों को 50 फीसदी का लाभ देगा। ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के परिणामों को मंजूरी दी है। इसमें वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी ने 17.1 फीसदी की वृद्धि के साथ 11,984 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। साथ ही 6 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर निरंतर जोर देने के साथ ओएनजीसी कच्चे तेल के उत्पादन में गिरावट की प्रवृत्ति को पलटने में सक्षम रही है। वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के दौरान स्टैंडअलोन कच्चे तेल का उत्पादन (कंडेनसेट को छोड़कर) 4.576 एमएमटी था, जो वित्त वर्ष 24 की इसी तिमाही की तुलना में 0.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज करता है।

समय पर पैसे के मूल्य को समझना जरूरी

नई दिल्ली.

मुझे हाल ही में कक्षा 6-7 के बच्चों के साथ रहने और उन्हें फाइनेंस से परिचित कराने का एक अनूठा अवसर मिला। मुझे लगा कि बच्चों के साथ पैसे को लेकर चर्चा करना एक अच्छा विचार होगा, जो जीवन भर उनके साथ रहेगा। इसलिए, मैंने उनसे पूछा कि क्या वे साधारण ब्याज से परिचित हैं। सभी ने कहा, वे इससे परिचित हैं। हम बच्चों को बचत का मूल्य और खर्च करते समय सतर्क रहना सिखाते हैं, लेकिन निवेश या पैसे के मूल्य पर शायद ही कभी चर्चा करते हैं। खासकर, पैसे के मूल्य के बढ़ने के बारे में। साधारण ब्याज पहला कदम है, लेकिन चक्रवृद्धि ब्याज असली चीज है, क्योंकि आज का एक रुपया कल के एक रुपये के बराबर नहीं होगा। जब पैसे का उपयोग किया जा रहा है, तो समय के साथ यह और भी जटिल हो जाएगा। समय के साथ बढ़ती महंगाई पैसे के मूल्य को नष्ट कर देती है। इसका मतलब यह है कि पैसे के मूल्य को बनाए रखने के लिए मुद्रास्फीति की तुलना में ज्यादा रिटर्न की जरूरत होती है।

महंगाई को समझने का एक तरीका यह है कि आज सब्जियों की कीमत 100 रुपये है। हो सकता है कि अगले महीने आपको 100 रुपये में आज की जितना सब्जी न मिले, क्योंकि कीमतें स्थिर नहीं हैं। हम में से अधिकांश के लिए रुपये का मूल्य अच्छी तरह से तब समझ में आता है, जब कोई 20 साल पहले 20 लाख रुपये में खरीदे गए अपने घर की कीमत के बारे में बात करता है। इस घर की कीमत आज 75 लाख रुपये है। हालांकि, वे भूल जाते हैं कि घर की कीमत दो दशकों बाद तीन गुना बढ़ी है। यह कोई बड़ी बात नहीं है, क्योंकि अगर आपने इस अवधि के दौरान बैंक के फिक्स्ड डिपॉजिट में पैसा बचाया होता तो आपको इतनी ही कमाई होती। वास्तव में आप अधिक कमा चुके होंगे।

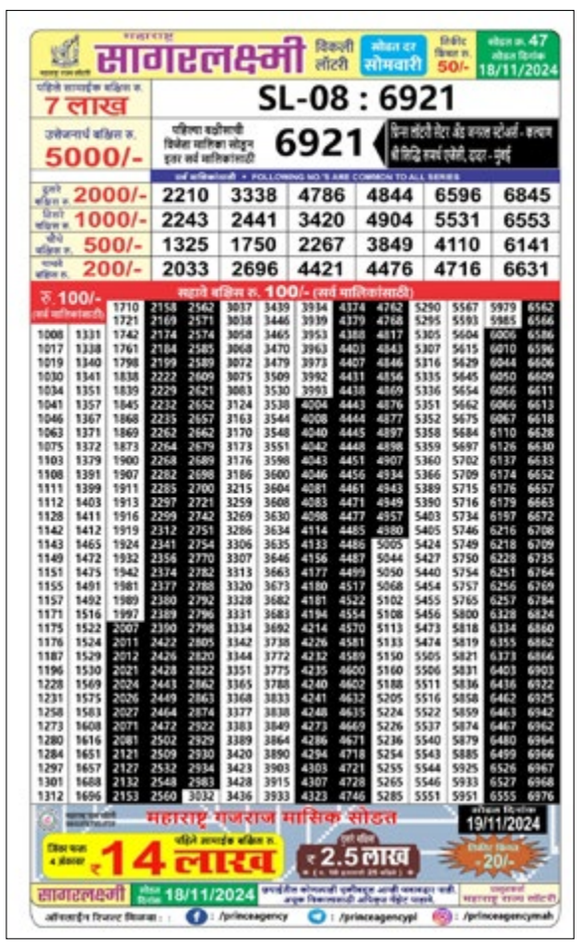

बोइंग ने 400 कर्मचारियों को भेजा छंटनी का नोटिस

नई दिल्ली.

हवाई जहाज बनाने वाली कंपनी बोइंग के कर्मचारियों के लिए बुरी खबर सामने आई है। कंपनी ने अपने 400 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फैसला लिया है। इन कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस भेजा है। माना जा रहा है कि कंपनी ने लगातार हो रहे घाटे और पिछले आठ सप्ताह से लगातार चल रही कर्मचारियों की हड़ताल के चलते यह फैसला लिया गया है। हालांकि कंपनी का कहना है कि जरूरत से ज्यादा कर्मचारियों की नियुक्ति के चलते छंटनी की जा रही है।

बोइंग कंपनी ने अक्तूबर में एलान किया था कि वह अपने 10 प्रतिशत यानि 17 हजार कर्मचारियों की छंटनी करेगी। मुख्य कार्यकारी केली ऑर्टबर्ग ने ईमेल के जरिये कहा था कि वैश्विक स्तर पर होने वाली इस छंटनी में हर स्तर के कर्मचारी, जिसमें एग्जीक्यूटिव, मैनेजर और कर्मचारी सभी शामिल होंगे। कंपनी को अपनी वित्तीय वास्तविकता के अनुरूप अपने कर्मचारियों को फिर से निर्धारित करना होगा।

अब कंपनी ने अपने 400 कर्मचारियों को पिंक स्लिप भेजी है। यह स्लिप पाने वाले कर्मचारी जनवरी मध्य तक पेरोल पर बने रहेंगे। इसमें कंपनी के तकनीकी इकाई के कर्मचारी शामिल होंगे। कर्मचारियों को तीन महीने के लिए कॅरिअर ट्रांजिशन सेवा, स्वास्थ्य सेवा लाभ और विच्छेद भत्ता भी मिलेगा।

जी20 का बॉस बना भारत

नई दिल्ली. ब्राजील में जी20 की बैठक शुरू होने वाली है. इस बैठक से पहले ही भारत ने अपनी ताकत पूरी दुनिया को दिखा दी है. भारत दुनिया के सबसे पॉवरफुल ग्रुप में शुमार जी20 का एक तरह से बॉस बन गया है. इस ग्रुप में शामिल सभी देशों का ग्रोथ का इंजन भारत बन गया है. हम ये बात यहां पर इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि मौजूदा समय में जी20 देशों में सबसे ज्यादा ग्रोथ भारत की बनी हुई है. जब भारत इस पॉवरफुल ग्रुप की मीटिंग में शुमार होगा तो उसका रुतबा अलग ही होगा.

खास बात तो ये है कि अमेरिका से यूरोप तक तमाम देशों की जीडीपी की ग्रोथ भारत के मुकाबले काफी कम है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर भारत और इस ग्रुप में शुमार बाकी देशों की ग्रोथ रेट क्या है? जी20 देशों की लिस्ट में भारत इकोनॉमिक ग्रोथ के मामले में नंबर दिखाई दे रहा है. आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक की रिपोर्ट के अनुसार भारत की ग्रोथ रेट वित्त 2024 में 7 फीसदी रह सकती है.

भारत में पहली बार हवाई यात्रियों की संख्या 5 लाख के पार

नई दिल्ली.

देश में घरेलू विमान यात्रियों की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया है. भारत में एक दिन के अंदर कुल 505412 घरेलू यात्रियों ने हवाई यात्राएं कीं. यह पहली बार जब एक दिन में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 5 लाख के आंकड़े को पार कर गई. देश के विभिन्न एयरपोर्टों पर कल आने- जाने वाले यात्रियों का जमावड़ा रहा. एयरपोर्ट्स पर आने वाले और एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित एयरपोर्टों पर कल यानी 17 नवंबर को एक दिन में कुल 505412 घरेलू यात्रियों ने ट्रैवल किया,

जो कि पहले के सभी रिकॉर्ड्स को तोड़ता है. कल कुल 3173 घरेलू विमानों ने उड़ान भरी और 3164 घरेलू विमानों का आगमन एयरपोर्टों पर हुआ, जिसमें कुल 502198 यात्री आए और 505412 यात्रियों ने अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान किया. वहीं, देश में टोटल 6337 घरेलू विमानों का आगमन और प्रस्थान हुआ. यह पहली बार है जब देश में एक साथ इतने लोगों ने हवाई यात्रा की हो. यह देश में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को भी दर्शाता है. 9 नवंबर को देश भर की सभी एयरलाइंस से कुल 4.96 लाख यात्रियों ने यात्रा की थी. वहीं, 14, 15 और 16 नवंबर को 4.97 लाख, 4.99 लाख, और 4.98 यात्रियों ने यात्री की थी. इन सभी यात्राओं का रिकॉर्ड 17 नवंबर को टूट गया. इस समय हवाई यातायात में बढ़ोतरी देश की कई एयरलाइंस के लिए अच्छी खबर है. इसके न केवल विमानन कंपनियों को फायदा होगा. बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई देगा.

यात्रा करने वाले लोगों की संख्या में बढ़ोतरी

दिवाली के बाद से ही डेली हवाई यात्रा करने वाले लोगों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है. नवंबर के महीने में स्कूलों में छुट्टियों और शादियों के हवाई यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है. पिछले दो हफ्तों में लगातार हवाई यातायात में उछाल आया है, जहां 8 नवंबर को 4.9 लाख यात्रियों ने हवाई यात्रा की थी, जिसके बाद से लगातार हवाई यात्रा करने वालों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

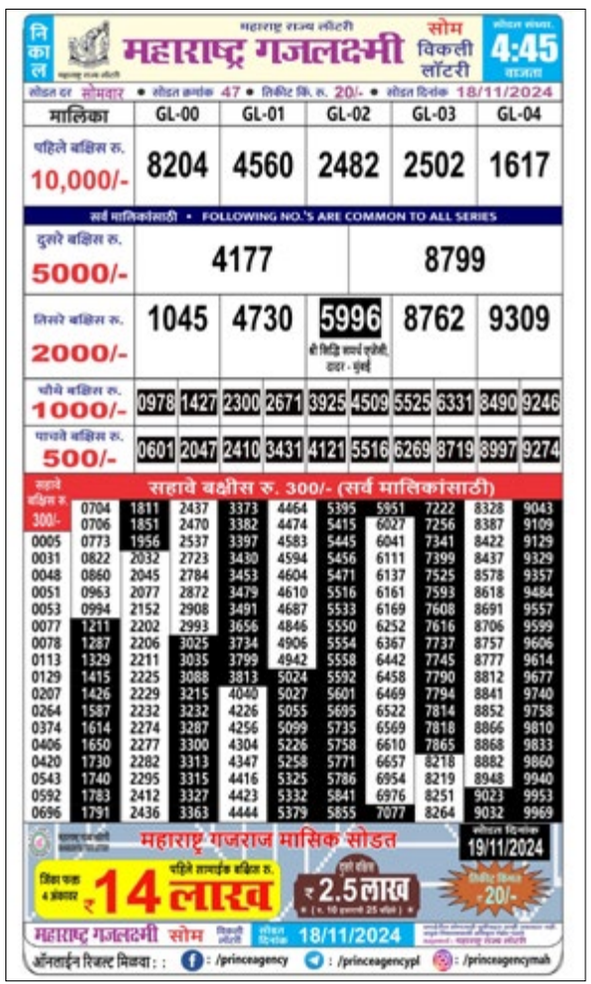

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

विदर्भ स्टॉकिस्ट
प्रविण कडू : 9822472123

हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 19 नवंबर 2024 | अंक 37/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

EXCLUSIVE
WEDDING
COLLECTION
• LACHA • BANARASI
• DESIGNER SAREES • LEHENGA
वैशाली
लाछा अँन्ड सारिज़
लाछा और साडीयों की महारानी
सराफा बाजार, इतवारी नागपुर. | समय: 10.00से7.30
9529081789, 9325112561 | रविवार बंद

महाराष्ट्र और झारखंड में थमा चुनाव प्रचार

नई दिल्ली।

झारखंड और महाराष्ट्र में सोमवार को चुनाव प्रचार थम गया है। अब महाराष्ट्र की सभी सीटों और झारखंड की दूसरे चरण की सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा। दोनों ही राज्यों में 23 नवंबर को वोटों की गिनती की जाएगी। सभी दलों ने दोनों राज्यों में मतदाताओं को लुभाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। बता दें कि महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों और झारखंड की दूसरे चरण की 38 सीटों पर बुधवार को वोट डाले जाएंगे। झारखंड में पहले चरण का मतदान 13 नवंबर को समाप्त हो गया था।

महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा। महाराष्ट्र में महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच मुख्य लड़ाई है। जहां एक तरफ महायुति अपनी सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ महाविकास अघाड़ी इसे सत्ता से बेदखल करने के प्रयास में है।

महायुति में एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना, बीजेपी और अजीत पवार की एनसीपी है वहीं महाविकास अघाड़ी में शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस पार्टी है।

झारखंड की 38 सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा। इसके लिए सोमवार को चुनाव प्रचार थम गया। इस चरण के प्रमुख प्रत्याशियों में बरहेट सीट से झामुमो उम्मीदवार के तौर पर सीएम हेमंत सोरेन, राजधनवार सीट पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्य के पहले सीएम बाबूलाल मरांडी, गांडेय सीट से झामुमो की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन, नाला सीट पर झामुमो प्रत्याशी के रूप में विधानसभा के स्पीकर रवींद्र नाथ महतो, चंदनकियारी सीट पर विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, महागामा सीट पर कांग्रेस की प्रत्याशी मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, जामताड़ा में कांग्रेस कोटे के मंत्री इरफान अंसारी, मधुपुर में झामुमो कोटे के मंत्री हफीजुल हसन, डुमरी सीट पर झामुमो प्रत्याशी के रूप में मंत्री बेबी देवी, सिल्ली सीट पर आजसू पार्टी के प्रमुख सुदेश महतो और दुमका सीट पर सीएम हेमंत सोरेन के भाई बसंत सोरेन शामिल हैं।

महाराष्ट्र की 288, झारखंड की 38 सीटों पर कल होगा मतदान

महाराष्ट्र में महायुति और एमवीए के बीच मुख्य लड़ाई

असमंजस की स्थिति में प्रत्याशी

❑ महाराष्ट्र चुनाव इस बार वोटर भी कंफ्यूज है। असली शिवसेना को लेकर आम जनता में भ्रम बना हुआ है। प्रचार के दौरान नेताओं ने अपनी पार्टी को असली शिवसेना बताया। वहीं एनसीपी के भी हालात यही हैं. एक ओर शरद पवार ने अपनी पार्टी को असली एनसीपी बताया, वहीं अजीत पवार गुट अपने को असली बता रहा है। एक में हर क्षेत्र में बहुकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है।

जनता के पास कई विकल्प

❑ महाराष्ट्र चुनाव के बाद सत्ता किसके हाथ में जाने वाली है, सबकी नजर इस पर टिकी हुई है। इस बार बात सिर्फ इतनी नहीं है. साल 2019 में विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद जिस तरह का उलटफेर हुआ, उससे प्रमुख राजनीतिक परिवारों की साख पर कई सवाल उठे हैं। इसके साथ मतदाताओं के पास कई विकल्प मौजूद हैं।

महाराष्ट्र में इस बार कोई खास मुद्दा नहीं

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इस बार कोई भी मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर नहीं छा पाया। इस कारण दोनों गुट अभी तक यह साफ नहीं कर पा रहे हैं कि परिणाम कैसा रहने वाला है। ऐसे में प्रचार के दौरान लगाए गए नारों पर संदेह और असमंजस की स्थिति बरकरार है। भाजपा की ओर से 'बटेंगे तो कटेंगे' और 'एक हैं तो सेफ हैं' के नारों को काफी प्रमुखता मिल रही है।

खबरें! एक नजर में!!

श्री राम विवाह महोत्सव की तैयारियां शुरू

अयोध्या। अयोध्या में मठ-मंदिरों में हर साल श्री सीता राम विवाह महोत्सव मनाया जाता है। लेकिन इस बार, रामलला के भव्य मंदिर में श्रीराम विवाह का आयोजन विशेष भव्यता से हो रहा है। सोमवार को श्री राम का तिलक उत्सव मनाया गया तिलक जनकपुर से लाया गया है, इसे पूरे विधि-विधान से रामसेवकपुरम में चढ़ाया गया। 6 दिसंबर को जनकपुर में सात दिवसीय विवाह महोत्सव के बाद भगवान श्रीराम-मांता जानकी परिणय सूत्र में बंधेंगे।

कैलाश गहलोत बीजेपी में शामिल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) से इस्तीफा देने के ठीक एक दिन बाद दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। अपने त्याग पत्र में, गहलोत ने आप और अरविंद केजरीवाल को निशाने पर लिया था। नजफगढ़ से विधायक कैलाश गहलोत ने रविवार को पत्र लिखकर मंत्रिपरिषद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया था और आप की प्राथमिक सदस्यता भी छोड़ दी थी।

निर्दलीय प्रत्याशी के घर पर फायरिंग

जलगांव। शहर में एक निर्दलीय उम्मीदवार के घर पर फायरिंग की घटना हुई है। इससे इलाके में सनसनी मच गई। जलगांव शहर निर्वाचन क्षेत्र में निर्दलीय उम्मीदवार शेख अहमद हुसैन गुलाम हुसैन के घर पर अज्ञात लोगों द्वारा सोमवार को तडके 4 बजे के आसपास गोलीबारी की गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक महेश्वर रेड्डी घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस जांच शुरू हो गई है।

यूएस में पकड़ा गया अनमोल बिश्नोई

नई दिल्ली। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अनमोल को कैलिफोर्निया से हिरासत में लिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने कुछ समय पहले ही अनमोल की उनके देश में मौजूदगी को लेकर इनपुट साझा किया था, जिसके बाद कुछ दिनों पहले ही मुंबई पुलिस ने उसके प्रत्यर्पण को लेकर प्रस्ताव भेजा था।

बिहार में कोहरे के कारण 17 ट्रेनें लेट

पटना। देश में ठंड के साथ-साथ कोहरे का असर भी लगातार बढ़ते जा रहा है। बिहार में कोहरे के कारण विजिबिलिटी घटने से 17 ट्रेनें लेट हो गईं। 6 विमानों के टेकऑफ और लैंडिंग में भी देरी हुई। एमपी में भी सर्द हवा चलने का दौर लगातार जारी है। अब स्कूलों की टाइमिंग भी बदली जा रही है। भोपाल में कई प्राइवेट स्कूलों ने 30 मिनट तक टाइमिंग बढ़ा दी है। इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर-उज्जैन में भी समय बदलने की तैयारी है।

मंदिर की सफाई के दौरान ब्लास्ट

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगारेड्डी में सोमवार को एक मंदिर परिसर में जोरदार धमाका हुआ। जानकारी के अनुसार, यह धमाका मैलारदेवपल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत लक्ष्मीगुडा रोड पर स्थित एक मंदिर के पास हुआ। मंदिर परिसर की सफाई कर रहे पुजारी विस्फोट में घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

किसानों का फिर दिल्ली कूच का ऐलान

6 दिसंबर को रवाना होंगे, ट्रैक्टर-ट्रॉली नहीं जाएगी

नई दिल्ली।

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने ऐलान किया है कि किसान 6 दिसंबर को दिल्ली कूच करेंगे। फसलों के लिए एमएसपी गारंटी कानून समेत कई मांगों को लेकर 13 फरवरी से किसान आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान सीमाओं पर 280 दिन से किसान डटे हुए हैं। सरकार उनकी सुन नहीं रही है। इसलिए 26 नवंबर को जगजीत सिंह डल्लेवाल आमरण अनशन पर बैठेंगे और उसके 10 दिन बाद किसान संगठन दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। इसके लिए किसान संगठनों ने रणनीति बनाई है। बता दें कि आंदोलन की शुरुआत के दौरान किसान संगठनों और सरकार के बीच 4 दौर की बातचीत चंडीगढ़ में हुई थी, जिसमें कोई समाधान नहीं निलक सका था और उसके बाद से कोई वार्ता नहीं हुई है।

किसान मजदूर मोर्चा (भारत) और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) ने किसानों और मजदूरों की मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन के दौरान चंडीगढ़ के किसान भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। किसान नेताओं ने कहा कि 6 दिसंबर को शंभू बॉर्डर से किसानों का जत्था दिल्ली की ओर मार्च करेगा। किसान नेताओं ने कहा कि 26 नवंबर को जगजीत सिंह डल्लेवाल आमरण अनशन पर बैठेंगे। अगर सरकार इस दौरान किसानों से वार्तालाप नहीं करती है तो 10 दिन बाद शंभू से आगे बढ़ने की कार्रवाई की जाएगी। किसान नेताओं ने कहा कि फसलों के लिए एमएसपी गारंटी कानून समेत अन्य मांगों को लेकर किसान 13 फरवरी 2024 से शंभू बॉर्डर, खनौरी और रत्नापुरा (राजस्थान) के मोर्चों पर डटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब सरकार मांगों के प्रति ईमानदार नहीं है तो ऐसे में लगातार अलग-अलग राज्यों के किसानों और मजदूरों द्वारा जान दी जा रही है, लेकिन सरकार सुन नहीं रही है।

एमबीबीएस छात्र की रैगिंग, मौत

गुजरात. गांधीनगर गुजरात में पाटन जिले के जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज में फर्स्ट ईयर के एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मृत छात्र समेत अन्य जूनियर छात्रों की सीनियर्स ने रैगिंग की थी। इस दौरान सीनियर स्टूडेंट्स ने छात्र को 3 घंटे तक खड़ा रखा, जिसके बाद वह बेहोश हो गया। इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना 16 नवंबर की है।

मणिपुर में फिर से उबाल

इंफाल में कर्फ्यू, स्कूल और कॉलेजों की छुट्टी

तैनात होंगी 50 अतिरिक्त कंपनियां

❍ इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की. उच्च स्तरीय बैठक में मणिपुर के हालात को देखते हुए 50 अतिरिक्त कंपनियां भेजने का फैसला किया गया है। मणिपुर में 50 कंपनियां यानी 5000 जवानों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी। मणिपुर में अभी तक कुल 27 हजार अर्धसैनिक बलों की तैनाती हो चुकी है। गृह मंत्री ने राज्य में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के डिप्लॉयमेंट के बारे में जानकारी ली।

इंफाल।

इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व में कर्फ्यू लगाए जाने के बीच, मणिपुर सरकार, सचिवालय उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग ने इन जिलों में राज्य विश्वविद्यालयों सहित संस्थानों, कॉलेजों को आज मंगलवार तक बंद करने की घोषणा की। यह निर्णय मणिपुर सरकार के गृह विभाग के परामर्श से लिया गया है।

सचिवालय उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के आदेश में कहा गया है, कई जिलों में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा लगाए गए कर्फ्यू के मद्देनजर और छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यह आदेश दिया जाता है कि मणिपुर सरकार के उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत सभी सरकारी संस्थान / सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज, जिन जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है, उनमें राज्य विश्वविद्यालय भी शामिल हैं, 19 नवंबर तक 2 दिनों के लिए बंद रहेंगे। बढ़ती हिंसा के परिणामस्वरूप, राज्य सरकार ने सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दी हैं। सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, खासकर मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के आवास और राजभवन के आसपास, प्रभावित इलाकों में वाहनों की आवाजाही सीमित देखी गई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस महीने के पहले दो हफ्तों में मणिपुर में हुई हालिया हिंसा से जुड़े तीन प्रमुख मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली है, जिसके परिणामस्वरूप जानमाल का नुकसान हुआ और सार्वजनिक व्यवस्था में व्यापक व्यवधान हुआ। एजेंसी ने गृह मंत्रालय (एनएचए) द्वारा हाल ही में जारी निर्देश के बाद मणिपुर पुलिस से ये मामले अपने हाथ में ले लिए क्योंकि तीनों मामलों से जुड़ी हिंसक गतिविधियों के कारण पहाड़ी राज्य में घटनाएं बढ़ गई थीं, जिससे मौतें हुईं और महत्वपूर्ण सामाजिक अशांति हुई।

ब्राजील में दिखी मोदी व लूला डी सिल्वा की जुगलबंदी

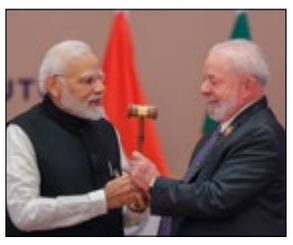

जी-20 शिखर सम्मलेन में शामिल होने ब्राजील पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बैठक स्थल पर पहुंच गए हैं। वहां पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। मेजबान ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने गर्मजोशी से हाथ मिलाकर और फिर गले मिलकर उनका स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेता कंधे पर हाथ रखकर काफी देर तक बातचीत करते रहे। इस दौरान दोनों नेताओं की बॉन्डिंग भी देखने को मिली। ब्राजील में पीएम मोदी 19वें जी-20 शिखर सम्मेलन में 'ट्रोइका' के सदस्य के तौर पर शामिल होंगे। भारत ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ जी-20 'ट्रोइका' का हिस्सा है। 'ट्रोइका' में मौजूदा, पिछले और अगले जी-20 अध्यक्ष शामिल हैं और तीनों सदस्य जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारी में एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। मोदी के साथ 18-19 नवंबर को रियो डी जेनेरियो शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके अमेरिकी समकक्ष जो बाइडेन भी शामिल हैं।

इस बार 7 गुना अधिक जब्त हुई नगदी-शराब

महाराष्ट्र-झारखंड में चुनाव पर ईसीआई ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने में अब सिर्फ दो दिन बचे हैं. इस बीच चुनाव आयोग ने अब तक दोनों राज्यों में प्रलोभन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है. चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक मौजूदा चुनाव में जब्ती 1000 करोड़ रुपए को पार कर गई है. इसके अनुसार, 2019 की तुलना में महाराष्ट्र और झारखंड में सात गुना ज्यादा जब्ती की गई है. चुनाव आयोग की ओर से चुनावों की घोषणा होते ही आचार संहिता लागू हो जाती है. साथ ही चुनाव आयोग व्यापक निगरानी रखना शुरू कर देता है. इसका मुख्य काम चुनावों में इस्तेमाल होने वाले धनबल पर लगाम लगाना है. 2019 के चुनाव में महाराष्ट्र और झारखंड में करीब 123 करोड़ रुपए जब्त किए गए थे. चुनाव आयोग के तहत प्रवर्तन एजेंसियों ने महाराष्ट्र, झारखंड के विधानसभा चुनावों और उपचुनावों में कुल 1082.2 करोड़ रुपए की जब्ती की है. इसमें नकदी, शराब, ड्रग्स, मुफ्त उपहार और अन्य प्रलोभन वाले सामान शामिल हैं. महाराष्ट्र और झारखंड में कुल 858 करोड़ रुपए की जब्ती हुई है. यह दोनों राज्यों में हुए पिछले चुनाव से 7 गुना अधिक है. झारखंड में 14.84 करोड़ नकद, 7.84 करोड़ शराब, 14.84 करोड़ नशीली दवाएं,

महाराष्ट्र में अब तक 71.13 करोड़ की शराब जब्त

महाराष्ट्र और झारखंड में नकदी के अलावा बड़ी मात्रा में शराब और ड्रग्स जब्त किए गए. महाराष्ट्र में अब तक 153.48 करोड़ रुपए नकद, 71.13 करोड़ रुपए की शराब, 72.14 करोड़ रुपए की ड्रग्स, 80.94 करोड़ रुपए के मुफ्त उपहार और 282.49 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं जब्त की गई हैं.

साईंबाबा की मूर्ति पर चढ़ाए जा सकेंगे फूल-माला

बॉम्बे हाईकोर्ट की बेंच ने दिया फैसला

मुंबई।

महाराष्ट्र के शिरडी स्थित साईंबाबा संस्थान में फिर फूल और माला चढ़ाई जा सकेगी। बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने 14 नवंबर को शिरडी में श्री साईंबाबा संस्थान में फूल और माला चढ़ाने की प्रथा को फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी। कोविड-19 महामारी के कारण कई सालों से प्रथा बंद थी। हाईकोर्ट के जस्टिस मंगेश पाटिल और शैलेश ब्रह्मे की पीठ यह फैसला सुनाया। पीठ के समाने शिरडी से जुड़ी दो याचिकाएं थीं। इसमें पहली याचिका में संस्थान की तरफ से दाखिल किया गया था। इसमें फूल-माला चढ़ाने की अनुमति देने की मांग की गई थी। दूसरी याचिका में आवेदन फूल विक्रेताओं द्वारा मंदिर परिसर के अंदर फूल बेचने की अनुमति के लिए किया गया था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने दोनों याचिकाओं पर सुनवाई के बाद प्रसाद चढ़ाने की प्रथा को फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी। पीठ ने कहा कि यह उचित होगा कि संस्थान/ट्रस्ट को संकल्प संख्या 277 के अनुसार फूल/माला चढ़ाने की अनुमति दी जाए, हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि समिति फूल-माला चढ़ाने से उत्पन्न होने वाले कचरे के निपटान पर जल्द फैसला ले। शिरडी में साईंबाबा पर फूल-माला चढ़ाने का यह मामला 2021 में कोर्ट पहुंचा था। एक जनहित याचिका (पीआईएल) में श्री साईंबाबा संस्थान ट्रस्ट के प्रबंधन पर सवाल खड़े किए गए थे। मामले की सुनवाई के दौरान संस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता अनिल एस बजाज ने तर्क दिया कि फूल चढ़ाने का निर्णय फूल किसानों और भक्तों सहित सभी संबंधित पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद लिया गया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फूल मंदिर के कर्मचारियों द्वारा संचालित एक क्रेडिट सहकारी समिति से खरीदे जाएंगे और मंदिर परिसर में उचित दरों पर बेचे जाएंगे।

कोर्ट ने लगा दी थी रोक

पीआईएल के बाद सितंबर 2022 में एक निर्णय कोर्ट ने राज्य सरकार को ट्रस्ट के लिए एक नई प्रबंध समिति गठित करने का निर्देश दिया। तब से प्रधान जिला न्यायाधीश, कलेक्टर और संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के नेतृत्व वाली एक समिति मंदिर के मामलों की देखरेख कर रही है। महामारी से संबंधित एहतियात के तौर पर और मंदिर परिसर के भीतर सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में चिंताओं के कारण 2020 से फूल चढ़ाने को निलंबित कर दिया गया था।

समंदर में पाक जहाज को भारत ने खदेड़ा

दो घंटे तक पीछा करने के बाद भारतीय मछुआरों को छुड़ाया

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक जहाज अग्रिम ने पाकिस्तानी सीमा के पास से सात भारतीय मछुआरों को बचाया। इन मछुआरों को भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी (पीएमएसए) ने पकड़ा था।

मछुआरों को बचाने के लिए भारतीय तटरक्षक जहाज अग्रिम ने दो घंटे तक पाकिस्तानी जहाज का पीछा किया। भारतीय जहाज ने पहले पाकिस्तानी समुद्री सुरक्षा एजेंसी के जहाज पीएमएस नुसरत को अलर्ट किया। उसे बताया गया कि किसी भी हालत में वह भारतीय क्षेत्र से मछुआरों को नहीं ले जा सकते।

कोस्ट गार्ड के मुताबिक पाकिस्तानी मेरिटाइम सिक्योरिटी एजेंसी भारतीय मछुआरों को हिरासत में लेकर जा रहे थे और कोस्ट गार्ड ने पाकिस्तानी शिप का पीछा किया, उन्हें रोका और मछुआरों को छुड़ाया। रक्षा अधिकारी ने बताया कि 17 नवंबर को इंडियन कोस्ट गार्ड के शिप को भारतीय मछुआरों की बोट से डिस्ट्रेस कॉल आया जो कि नो फिंशिंग जोन से किया गया था।

सुविचार

धर्म चाहे जो भी हो अच्छे इंसान बनो...
हिसाब हमारे कर्मो का होगा धर्मो का नहीं...

संपादकीय

विवादों के बादल...

अकाली दल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा, आखिर शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। करीब ढाई महीने पहले अकाल तख्त की ओर से तनखैया (धार्मिक कदाचार का दोषी) घोषित किए जाने के बाद से ही उन पर पद छोड़ने का दबाव था। कई वजहों से यह इस्तीफा पंजाब की राजनीति का एक अहम मोड़ साबित हो सकता है। पिछले करीब तीन दशकों में यह पहला मौका है जब शिरोमणि अकाली दल के टॉप पर बादल परिवार का कोई सदस्य नहीं है। खुद सुखबीर बादल की बात की जाए तो उन्होंने 2008 में पिता प्रकाश सिंह बादल के हाथों से पार्टी की कमान ली थी। इन डेढ़ दशकों में धीरे-धीरे पार्टी का ग्राफ नीचे ही आता रहा। 2017 के विधानसभा चुनावों में यह सत्ता से बाहर हुई और 2022 में महज तीन विधानसभा सीटों पर सिमट गई।

2024 के लोकसभा चुनावों में इसका वोट शेयर 2019 के 27.5% से घटकर 13.4% पर आ गया और इसे राज्य की कुल 13 लोकसभा सीटों में से मात्र एक सीट पर कामयाबी मिली। इस बीच आम आदमी पार्टी के रूप में प्रदेश राजनीति में एक ऐसे नए खिलाड़ी का उद्भव हुआ, जिसने प्रदेश के पारंपरिक राजनीतिक स्वरूप को बदल कर रख दिया। जाहिर है, अकाली दल के सामने अस्तित्व को बनाए रखने की चुनौती है। ऐसे में अस्वाभाविक नहीं कि बादल के नेतृत्व को पार्टी के अंदर से भी गंभीर चुनौतियां मिल रही थीं। अकाली दल सुधार लहर के रूप में असंतुष्टों का एक ऐसा ग्रुप पार्टी में उभर आया है, जो उनकी राह में लगातार मुश्किलें खड़ी कर रहा था।

लघुकथा

ज्ञानदेव मुकेश

जहर की हार

सड़क के बीचोबीच एक जगह पर दो गाडियां आपस में सट गईं। दोनों गाडियों पर हल्के स्क्रैच आ गए। एक गाड़ी में कुछ दबंग टाईप लोग सवार थे। वहीं दूसरी गाड़ी में एक निहायत भला आदमी बैठा था। इसके पहले कि अनजाने में हुई इस घटना के कारण तनातनी का माहौल बने, वह निहायत शरीफ आदमी गाड़ी से बाहर निकला और क्षमा की मुद्रा में हाथ बांध कर खड़ा हो गया। उधर दबंगों का मुखिया आपे से बाहर होता हुआ गाड़ी से बाहर निकला और षरीफ आदमी की तरफ बढ़ा। इसके पहले कि वह दबंग आदमी अपनी गंदी जुबान से जहर उगलना शुरू करता, वह शरीफ आदमी माफी मांगने लगा और हर्जाने के तौर दो हजार का नोट भी बढ़ाने लगा। दबंग का गुस्सा उफनने के पहले ही शांत हो गया। उसने यह भी देखा कि गाड़ी पर बिल्कुल मामूली स्क्रैच है। उसने झटके से पैसे ले लिए और वापस गाड़ी में आ गया। दोनों गाड़ियां फिर चल पड़ीं। अपनी गाड़ी में बैठे दबंग लोग उस शरीफ आदमी की भलमनसाहत पर हंसने लगे। मगर दबंगों का मुखिया अभी भी गंभीर था। उसने कहा, ''यारो, मजा नहीं आया। दो हजार रुपए मिले जरूर, मगर उसे लतियाने-जूतियाने में जो मजा आता, मैं उससे महरूम रह गया। आज के जमाने में ऐसे सीधे लोग कहां से आ जाते हैं? उफ्फ! पीटने का मौका हाथ से निकल गया। दूसरे दबंग भी उदास हो गए। उन्होंने कहा,'हां यार, हम भी एक फाईट सीन देखने से रह गए।

उपन्यास

सुषमा गुप्ता

ईकटोमी और कायोटी

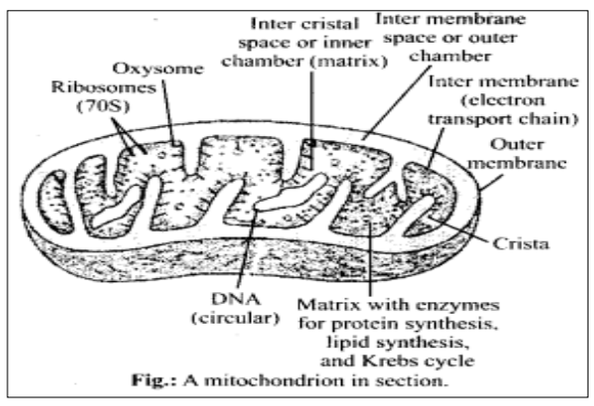

Fig.: A mitochondrion in section.

उसकी सुन्दर घनी पूंछ उसकी नाक और पैरों के चारों ओर लिपटी हुई थी। एक कायोटी3 उस घनी घास में छाँह में गहरी नींद सो रहा था। ऐसा ईकटोमी ने देखा। बिना आवाज किये उसने पहले एक कदम उठाया, फिर दूसरा और फिर धीरे धीरे चलता हुआ उस फ़र की गेंद के पास आ गया जो वहाँ सो रही थी। अब ईकटोमी कायोटी के बिल्कुल पीछे खड़ा था और उसकी बन्द पलकों की तरफ देख रहा था जो जरा सी भी नहीं हिल रहीं थीं।ईकटोमी ने पहले अपने होंठ दबाये, फिर धीरे से सिर हिलाया और उसके बाद उस भेड़िये की तरफ देखा। फिर वह अपना कान उसकी नाक के पास ले गया तो उसको तो कायोटी की साँस भी महसूस नहीं हुई। आखिर वह बोला"यह तो लगता है कि मर गया। मर तो गया पर लगता है कि इसे मरे बहुत देर नहीं हुई है क्योंकि इसके पंजे में तो अभी भी ताज़ा पंख लगा हुआ है। यह तो अच्छा मोटा माँस है। कहते हुए और उसका वह पंजा पकड़ते हुए जिसमें उसने पंख पकड़ रखा था वह बोला "अरे इसका तो पंजा भी अभी गरम है। मैं इसको अपने घर ले जाता हूं और शाम को इसको भून कर खाऊँगा। हा हा हा।" कह कर वह हँस दिया। उसने कायोटी को उसके आगे वाले दोनों पंजों से पकड़ लिया और उसके दोनों पिछले पंजों को अपने कन्धे पर डाल लिया। वह भेड़िया बहुत बड़ा था और इकटोमी का घर वहाँ से काफी दूर था.ईकटोमी धीरे धीरे अपना बोझ ले कर और कायोटी के माँस के स्वाद का आनन्द लेता हुआ चला। वह अपनी आंखें मिचकाता जा रहा था ताकि उसकी आंखों का नमकीन पानी उसके चेहरे पर न आये. इस पूरे समय में कायोटी अपनी आंखें खोले खुले आसमान की तरफ देखता रहा और अपने चमकीले दाँत निकाल कर हँसता रहा। बस कभी कभी अपनी पलकें झपका लेता था। कायोटी को नींद भी आ रही थी और उसको अपने ऊपर थोड़ा घमंड भी हो रहा था कि वह ईकटोमी के कन्धे पर चढ़ कर जा टी के पास लौटा। कायोटी अपनी पलकों के बालों के बीच में से सब देख रहा था।

नवनीत गुर्जर

उनके घरों में कपास और सोयाबीन पड़ा सड़ रहा है, वे किसे वोट दें?

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रचार आज खत्म हो जाएगा। छह पार्टियों में तीन-तीन के दो खेमे हैं। यही वजह है कि अभी भी पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि कौन जीतेगा। इतना तय है कि सबसे बड़ी पार्टी बनने के लिए भाजपा और कांग्रेस में जोर आजमाइश रहेगी। भाजपा की अगुआई वाले महायुति में अजित पवार सबसे कमजोर कड़ी हैं, जबकि महाविकास अघाड़ी में कमजोर कोई नहीं है। कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी अच्छा कर सकती है। तीसरे नंबर पर उद्धव ठाकरे की शिव सेना रह सकती है। हालांकि, वह अजित पवार जितनी कमजोर नहीं रहेगी।अब बात करते हैं योजनाओं की। भाजपा और महायुति की सारी ताकत 'लाडकी बहिन' योजना पर ही निर्भर है। शहरों और गांव दोनों इलाकों में इसका प्रभाव भी है। हालांकि, दिवाली के बाद

गांवों में खुलने वाले कपास खरीदी केंद्र, अब तक नहीं खुल पाए हैं। सोयाबीन के भाव भी रसातल में चले गए हैं।

मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीन योजना के उद्घाटन कार्यक्रम में लाभार्थी महिला को चेक प्रदान करते मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार और तटकरे। अजित पवार और मंत्री अदिति तटकरे।

मराठवाड़ा और विदर्भ की 100 से ऊपर सीटों पर इसका प्रभाव रहेगा। शादियों के मौसम में सोयाबीन और कपास लोगों के घरों में पड़ा है, यह विडंबना लाडकी बहिन के प्रभाव को कम कर सकती है. भाजपा को फायदे में देखने वाले लाडकी बहिन योजना को मास्टर स्ट्रोक बता रहे हैं। दूसरी ओर, भाजपा के नुकसान की आशंका जताने वालों का कहना है कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मराठा समुदाय ने जिस तरह वोटिंग की थी, इस बार वैसी नहीं होने वाली। इसलिए उसका सौ से पार जाना मुश्किल लग रहा है।

कहानी

सतीष कुमार

ज्ञान अंजोर

बहुत दिनों पहले की बात है एक गाँव अंधियारखोर था। यहां के ग्रामवासी अनपढ़ व असाक्षर थे। ज्ञान के अभाव में दिन-रात के कारणों, रात्रि-तम से मुक्ति की युक्ति से सर्वथा अनभिज्ञ थे य किन्तु श्रम से जी नहीं चुराते थे। सभी ग्रामवासी प्रत्येक दिवस सूर्यास्त का अस्ताचल में आते ही रात्रि-तम को दूर करने के लिए अपने- अपने घरों से अंधकार ढोनेग्रामीण अंचल में प्रचलित पारंपरिक भार-साधक साधन- टुकना, झउहा, चुरकी (बांस से निर्मित) एवं खनन-यंत्र गैंती, फावड़ा, कुल्हाड़ी आदि लेकर निकल पड़ते - अंधकार को दूर भगाने।अंधियारखोर के प्रत्येक बड़े-बंढ़े एवं बच्चे रात्रि के अंधकार को बटोरने का उद्यम करते और गाँव की सीमा क्षेत्र के बाहर फेंक आने का नियमित व निरंतर किन्तु निरर्थक प्रयास करते।

रात्रि के पहर-दर-पहर बीतने पर चन्द्रमा के उजलापन में उत्तरोत्तर वृध्दि से अंधकार के मध्दिम होता, सूर्य का उदयाचल में होने से शनैः-शनैः पौ फटता और सभी श्रम-दान कर रहे ग्रामीण सुबह की पहली किरण देख फूले नहीं समाते थे। जब रात्रि के अंधकार को चीर कर पूरब से सूरज की किरणें अंधियारखोर की वादी में सुनहरे प्रकाश फैला देती य काल की गति से अंधकार के बाद पुनः जब रवि-रश्मि, अंचल को प्रकाशित कर देता, ग्रामवासी अंधकार का अंत होना अपनी रात भर की ईमानदारी से की गई कड़ी मेहनत का प्रतिफल मानकर बेहद खुश होते। अंधकार मिटाने के लिए ग्रामीणों का यह मेहनत-मशक्कत उनके नित-दिन की दिनचर्या में शामिल थी.एक दिन की बात है अंधियारखोर के निवासी अंध-भक्त के सुपुत्र का ज्ञानोदय का विवाह ''अंधरीकछार'' की ज्ञानदेवी से वैदिक परम्परानुकुल समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। ग्रामीण खुश थे कि दो '' दो हाथ'' और मिल गए थे रात्रि के अंधेरापन से लड़ने।विवाहोपरान्त शाम होते ही गाँव की युवतियाँ नई-नवेली दुल्हन के पास पहुँचकर '' मुँह दिखाई ''(रस्म) के लिए चुरकी भेंट की और लगे हाथ अंधकार को ढ़ोने के लिए श्रमदान हेतु चलने का न्यौता भी दे डाली। साक्षर नवोढ़ा दुल्हन को उनकी बात कुछ अटपटी सी लगी फिर वस्तुथिति भांप करमुस्करा उठती है। वह तत्पश्चात् ग्रामीण युवतियों की समझाती है,

''संपूर्ण ग्रामीण जनों का कठिन परिश्रम निरर्थक है, रात्रि के बाद दिन का होना प्रकृति का शाश्वत नियम है। अंधेरा दूर भगाने के लिए श्रम ही नहीं ज्ञान की भी आवश्यकता होती है। ''ज्ञानदेवी ने आगे बताया - '' यह साक्षरता की चमक से संभव है कहती हुई घर से कुछ कपास लेकर बाती (बत्ती) बनाती है और उसे तेल में लेकर जलाती है, चारों ओर प्रकाश फैल जाता है। अंधियारखोर जगमगा उठता है जो कार्य घण्टों की मेहनत से पूरे ग्रामवासी नही कर पाते थे ''नई-बहू'' ने चुटकी बजाते ही कर दिया। गाँव में यह खबर आग की तरह फैल गई।

व्यंग्य

यशवन्त कोठारी

समाज-सेवा-संस्था

इधर कुछ परमवीर महा पुरुषों से मुलाकात हुई। सभी घर- गृहस्थी के कामों से मुक्त थे। घर-दुकान-व्यापार-नौकरी धन्धों से उब गये थे और समाज सेवा के क्षेत्र में हाथ और किस्मत आजमाना चाहते थे। मुझे बुद्धिजीवी जान कर मेरे पास आये थे। मैं ने भी सुझाव-सलाह-राय देने का सामाजिक ठेका उठा रखा है। तुरन्त बोल पड़ा, समाज सेवा का सबसे बेहतरीन रास्ता ये है प्रभु कि एक संस्था खोल लो। संस्था का पंजीकरण करा लो। सरकार से, विदेशों से माल खींचो और सेवा का मेवा खाओ।

मैंने आगे उन्हें ज्ञान दिया भाई जी स्वयं सेवी संस्था उसे कहते है जो स्वयं की व्यक्तिगत सेवा के लिए बनाई जाती है। खुद की सेवा करने वाली स्वयं सेवी संस्था ही सफल होती है। संस्था से उपर उठकर आप चाहे तो ट्रस्ट,फाउन्डेशन, बना सकते है। किसी बड़ी सरकारी संस्था में घुस कर सरकार पर कब्जा कर सकते है। जन्तर मन्तर, वोट क्लब, बापू की समाधि पर अनशन कर सकते हैं। अपने बेटे-बेटियों के लिए एक संस्था बना डालिये। ट्रस्टों के ट्रस्टीज के ठाठ-बाट देख कर आंखें चौधियां जाती हैं। मैं ऐसे कई ट्रस्टियों को जानता हूँ, जो हवाई जहाज में घूमते है और फोर्ड से नीचे नहीं उतरते, यह सब समाज सेवा के लिए जरुरी भी है। मेरे से ज्ञान लेकर बन्धुवर चले गये। संस्था निर्माण में लग गये।

कुछ ही दिनों में उनकी संस्था अस्तित्व में आ जायेगी। वे समाज के साथ साथ खुद की भी सेवा में लग जायेंगे। पूरे विश्व में सरकारों की असफलता के बाद संस्थाओं का निर्माण कार्य शुरु हुआ। एन.जी.ओ. बना कर लोग सरकारों को गालियां देते है और सरकारों से ही अनुदान लेकर डकार जाते है। कुछ एक ईमानदार लोग अपनी संस्था को ईमानदारी से चलाने की कोशिश करते है तो कुछ ही समय बाद कोई शक्तिशाली व्यक्ति उस संस्था पर कब्जा कर लेता है और ईमानदार व्यक्ति को बाहर का रास्ता दिखा देता है। ज्यादातर संस्थाओं के ट्रस्टी मुख्य कार्यकारी कोई बड़ा नेता या बड़ा अफसर या बड़ा उद्योगपति होता है, इन संस्थाओं में इन बड़े लोगो की बीबियां प्रेमिकाएँ, सालियां, महिला मित्र, पेज थ्री की माडल्स आदि पदाधिकारी होती है ये लोग अपने आकाओं के हित चिन्तन के लिए संस्था के पद और पैसे का सदुपयोग करती है। सेठजी का टेण्डर पास तो अफसर बीबी की एन.जी.ओ. को तगड़ा दान। यदि नेता की कलम में ताकत तो एन.जी.ओ. पर मेहरबान। कुछ ज्यादा होशियार लोग तो अपनी संस्था को सरकारी बजट तक में घुसा देते हैं। एक बार घुसने की देर है फिर प्रतिवर्ष नियमित बजट बिना रोक टोक के। बस खाते रहिये। खिलाते रहिये। जमे रहिये।

देश की सेवा करते रहिये। समाज की सेवा करते रहिये। मेवा खाते रहिये। अपनी कुर्सी और कोहनी पर गुड़ लगाकर मजे करिये। वास्तव ये संस्थाएं कामधेनु की तरह दुधारु गाये है बस आपको दुहना आना चाहिये। संस्था के माध्यम से ही कार, कोठी, कंचन, कामिनी, कुर्सी, रसूखात प्राप्त होते है। आयकर से बचने के लिए अपनी कमाई बीबी के ट्रस्ट में डाल दो। बीबी का ट्रस्ट जमीन खरीद लेगा। जमीन पर साली की फेक्ट्री लगवा दो। वाह। संस्था, ट्रस्ट, फाउन्डेशन का बोर्ड लगवा दो। हो गई समाज सेवा। हां मीडिया को भी चाय पानी कराते रहो।

संस्मरण

सूरज प्रकाश

मेरी आत्मकथा

मैं अकेला होता चला गया। रविवारों की रात को उत्तरी शहरों में पहुंचना, अंधियारी मुख्य गली में से गुजरते हुए गिरजा घर की घंटियों की उदास टुनटुनाहट सुनना। ये सारी बातें मेरे अकेलेपन में कुछ भी न जोड़ पाती। सप्ताह के अंत की छुट्टियों के दिनों में मैं स्थानीय बाजार खंगालता, और अपनी खरीदारी करता, राशन-पानी खरीदता, मांस खरीदता जिसे मकान मालकिन पका कर दे देती। कई बार मुझे खाने और रहने की सुविधा मिल जाती और मैं तब रसोई में बैठ कर परिवार के साथ ही खाता। मुझे वह व्यवस्था अच्छी लगती क्योंकि उत्तरी इंगलैंड के रसोईघर साफ-सुथरे और भरे पूरे होते, वहां पॉलिश किए हुए फायरप्रेट होते और नीली भट्टियाँ होतीं।

मकान मालकिन का ब्रेड सेंकना, और ठंडे अंधियारे दिन में से निकल कर लंकाशायर रसोई की जलती आग की लाल लौ के दायरे में आना हमेशा अच्छा लगता। वहाँ बिना सिंकी डबलरोटियों के डिब्बे भट्टी के आस-पास पार बिखरे होते, तब परिवार के साथ चाय के लिए बैठना, भट्टी से अभी-अभी निकली गरमा-गरम डबलरोटी की सोंधी-सोंधी महक, उस पर लगाया गया ताज़ा मक्खन...मैं गंभीर महानता ओढ़े इनका आनंद उठाता। मैं प्रदेशों में छह महीने तक रहा। इस बीच सिडनी को थियेटर में ही काम तलाशने में बहुत कम सफलता मिली थी इसलिए अब वह कलाकार बनने की अपनी महत्त्वाकांक्षा को त्याग कर स्ट्रैंड में कोल होल में एक बार में काम के लिए आवेदन करने पर मजबूर हो गया। एक सौ पचास आवेदकों में से यह नौकरी उसे मिली थी।

लेकिन मानो एक तरह से यह उसका पहले की स्थिति से पतन था। वह मुझे नियमित रूप से लिखा करता और मां के बारे में मुझे समाचार देता रहता। लेकिन मैं शायद ही उसके खतों के जवाब देता। इसका एक कारण था कि मुझसे वर्तनी की गलतियाँ बहुत होतीं। उसके एक खत ने तो मुझे इतनी गहराई से हुआ और इसकी वजह से मैं उसके और नजदीक आ गया। उसने मुझे उसके खतों का जवाब न देने के कारण फटकार लगायी और याद दिलाया था कि हम कैसे-कैसे दिन एक साथ देख कर यहाँ तक पहुँचे हैं और इस बात से हमें कम से कम एक दूसरों के और करीब होना चाहिए।

कथा

गोद

सूखे पत्तों की चरमराहट से कभी-कभी उस निर्जन का शांत टूटता। कभी-कभी किसी पक्षी के अचानक बोल उठने से निर्जन की नीरवता भंग हो जाती थी। "पापा औड़ कितना दूड है।"बालक चलते-चलते थक गया था। "बस थोड़ा सा और। "पिता ने कहा। पिता और पाँच वर्षीय बालक सुनसान वन में चले जा रहे थे। वन की वह पगडंडी सुरम्य तो थी किंतु उसकी निर्जनता तनिक भयप्रद भी थी।ऊँचे-ऊँचे बरगद,आम,कटहल के वृक्षों के बीच से निकलती हुयी वह पगडंडी ऐसी कि वृक्षों के अतिरिक्त कुछ न दिखे। कहीं-कहीं मोहक फूलों से लदा कोई जंगली वृक्ष ध्यान खींचता तो कहीं मयूर, तोते और गिलहरिया दिखते और विलुप्त हो जाते। शहर तक जाने वाली सड़क तक पंहुचने के लिये यह छोटा रास्ता था. कदाचित अब अपने निर्णय पर पिता को पश्चाताप हो रहा था।

पगडंडी पर चलने से सूखे पत्तों की खड़खड़ाहट उस नीरवता में अजब सी भयावहता भर देती.देखो तोता पिता ने पुत्र का ध्यान पास के वृक्ष की तरफ खींचने का प्रयास किया। उस नीरवता को काटने का संभवतः यह एक प्रयास था. वन के दृश्यों में उलझे बालक ने तोतों के समूह की ओर देखा और एक मुस्कुराहट उसके मुख पर बिखर गयी थी।पापा,यहाँ तो बहुत से जानवड़ होंगे ना ? हाँ बेटा शेड़ भी बालक की उत्सुकता ने पिता की उदिग्नवता को बढ़ा दिया था."नहीं बेटा यहाँ नहीं हैं कुछ विचार मग्न हुआ बालक फिर उस मनोरम वनस्थली के सौंदर्य में खो गया।

अचानक सशंकित पिता के पाँव रुक गए थे। पिता के हाथ में दी गयी अपनी कलाई पर जोर पड़ने से बालक भी रुक गया था। पिता ने सारा बल अपनी श्रवण शक्ति पर केन्द्रित करते हुए इधर उधर देखा। सूखे पत्तों पर किसी के चलने के आभास ने पिता को जड़वत कर दिया । उसका रक्त मानो ज़मने लगा था। पिता ने ध्यान से देखने का प्रयास किया। आगे की ओर कुछ दूर पर उसे लगा जैसे पगडण्डी पर पड़े पत्ते अपने आप हिल रहे हैं। किसी संकट की आशंका में बालक पिता के पैरो से सट गया था। उनसे बारह कदम आगे जहाँ पत्ते अपने आप हिल रहे थे , एक गेहुंअन रेंगता हुआ पत्तों से बाहर आ गया था। पगडण्डी पार करता वह घने वन की ओर मुड़ रहा था। पिता का कंठ सूखने लगा था। दोनों बिना हिले खड़े थे। गेहुँअन उनकी उपस्थिति से अनभिज्ञ सरसराता हुआ दूर चला जा रहा था। कुछ ही पलों में वह लुप्त हो गया था। भय से पिता के पाँव कांप गए थे और बालक पिता की गोद में चढ़ गया था।

सुशील यादव

शिष्टाचार के बहाने

पुलिस मुहकमे में फरमान जरी हुआ कि वे शिष्ठाचार सप्ताह मनाएंगे.आम जनता का दहशत में आना लाजिमी सा हो गया.वे किसी भी पुलिसिया हरकत को सहज में लेते नहीं दीखते.डंडे का खौफ इस कदर हावी है, कि सिवाय इसके, वर्दी के पीछे सभ्य सा कुछ दिखाई नहीं देता. पुलिस के हत्थे आप चढ़ गए ,तो पुरखों तक के रिकार्ड और फाइल वे मिनटों में डाउनलोड करवा लेते हैं.आप छोटे मोटे चोर हैं,तो लानत भेजेंगे की आपने कहीं बड़ी डकैती क्यों नहीं डाली |क्यों कि डकैती किये होते, तो आपका रुतबा-आतंक रहता वे आपको पीटते कम सहलाते ज्यादा. यहाँ तो हर आने वाला अर्दली सिपाही से लेकर थानेदार लात धुन के चल देता है. यहाँ की भाषा ,व्याकरण माँ ,बहनों के कसीदे पढने से नीचे की., कभी रहती ही नहीं.

एक 'ठुल्ले' शब्द के विश्लेषण के लिए ,वे लोग इन-दिनों यूँ भटक रहे हैं,मानो चालीस पार करता हुआ बेरोजगार अपनी शादी की चिंता में गड़े ताबीज के लिए भटक रहा हो ,हर पंडित को इस निगाह से देखता है जैसे वही उसकी डूबती नैय्या का आखिरी खेवन हार हो.वे कवियों के पास पहुचे ,एक-एक कवि ने उनके जिरह को गौर से सुनकर कहा, भाई साब ,पिछले सौ दो सौ सालों के इतिहास में ये शब्द किसी शालीन कवि ने कभी श्रृंगार ,वीर रस टपकाते हुए इन शब्दों का प्रयोग कदापि नहीं किया है, ये हम दावे के साथ कह सकते हैं.

हाँ. इधर कुछ लंम्पटिये हास्य रस वाले दो गली बाद आपको मिल जायेंगे. वे कलम घसीटू लोग आजादी के बाद पैदा हुए हैं शायद उनका ठुल्ला प्रेम कभी जागा हो और प्रशश्ति

में कुछ आय-बाय कह दिए हों ,वे सोई जनता से ताली पिटवाने में माहिर लोग हैं उन्ही से पूछ देखिये? हास्य वालों ने घास नहीं डाला ,उनका सोचना था आये दिन इनके नाम से हम भजन संध्या करते हैं कभी ज्यादा बोल गए तो इन्ही माई-बापों के शरण में मुक्ति मिल सकेगी इस सोच में वे कहानीकारों की तरफ इशारा कर बैठे वे कहानीकार के पास गए ,का भइये ,'इ ठुल्ला-वुल्ला की सुने हो का' वर्दी की बिरादरी को कौन न्योतने की सोचे सो कहानीकार भी नको कर गए. उनने बाकायदा आलोचक की तारीफ की उनकी पकड के विस्तार के बारे में बताया उनके घर ,गली मोहल्ले का तफसील से पता देकर उन्हें यूँ बिदा किया कि. वे दुबारा न आ सके. आलोचक, वर्दी को घर के सामने पाकर गदगद हुआ ये आलोचकों की परंपरा है की वे सब तरफ के लतियाए हुओं का खूब सम्मान करते हैं. बड़े से बड़ा ग्रन्थ देख लें ,उफ नहीं करते समीक्षा लिख मारते हैं. एक लेखक, जो रात-रात कलम घिस के जो निचोड़ ले के आता है, उसे वे गली के खजैले कुत्तो की तरह, बिरादरी में घुसने के पहले गुर्रा के, भौंक के भगा देते हैं क्या बकवास लिखता है.

(लेखक एक सामाजिक कार्यकर्ता और इतिहास और अंतरराष्ट्रीय मामलों की विद्वान हैं।)

53 फीसदी विदेशी निवेश अकेले महाराष्ट्र में आया !

अमिता आपटे

जबरदस्त प्रयासों से, गठबंधन सरकार ने भारत में कुल विदेशी निवेश का 53% अकेले महाराष्ट्र में आकर्षित किया है। इसके साथ ही उद्योगों सहित बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भी प्रदेश की प्रगति उल्लेखनीय है। यह आलेख इस प्रदर्शन का परिचय देता है.2019 के महाराष्ट्र चुनावों में, ठाकरे एंड कंपनी ने भाजपा को सत्ता से बाहर रखने की योजना बनाई, भले ही उसके पास बहुमत था और भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी थी.

जिसे शरद पवार और कांग्रेस ने पूरा समर्थन दिया. तदनुसार, इस कैम्पू ने निलंबित सरकार को ढाई साल तक घर से ही चलाया। जब यह सारा कुप्रबंधन असहनीय हो गया तो एकनाथ शिंदे को अलग रास्ता अपनाना पड़ा। बाद में अजित पवार ने भी अलग राह चुनी.हालांकि इस विभाजन का मुख्य कारण नेतृत्व का गलत व्यवहार है, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों नेताओं को यह कदम उठाने की ताकत महाराष्ट्र के लिए देवेंद्र फडणवीस के दृष्टिकोण के कारण मिली। फडणवीस की दूरदर्शिता और प्रदर्शन पर पूरा भरोसा करते हुए, लगभग 80 विधायक अपने शीर्ष नेतृत्व को छोड़कर भाजपा का समर्थन करने के लिए आगे आए। और इसी वजह से बीजेपी के देवेन्द्र फडणवीस अपने विरोधियों के लिए कांटा बन गए हैं. जारांगे जैसे लोग भी इसी नीति पर चल रहे हैं और 'शिंदे तुझसे बैर नहीं, देवेन्द्र तेरी खैर नहीं, हम पहले हैं' जैसे नारे लगा रहे हैं। निःसंदेह इसका कोई उपयोग नहीं था। लेकिन उस समय पवार परिवार ने एक बार फिर गठबंधन तोड़ने की पुरानी चाल चली. आज स्थिति यह है कि विपक्षी दलों को यह कहानी चलाने के लिए फर्जी खबरें फैलानी पड़ रही हैं कि महाराष्ट्र के उद्योग गुजरात भाग गए हैं। पिछले एक-दो दिनों में विपक्ष ने झूठी खबर छाप दी कि नागपुर बुटीबोरी का सोलर प्रोजेक्ट गुजरात चला गया है. प्रोजेक्ट की कंपनी रिन्यू ने इस बात से साफ इनकार करते हुए तुरंत इसका खुलासा करने की घोषणा की है. फिर भी पिछले ढाई साल में रोजगार के हजारों नए अवसर पैदा हुए हैं। महाराष्ट्र में लगभग 5 लाख करोड़ का निवेश आया है.

जिसमें से पिछले तीन महीनों में पहले 80 हजार और पिछले महीने 1 लाख 17 हजार करोड़, 2 लाख करोड़ के नए ठेकों की घोषणा गठबंधन सरकार ने की है. यानी पिछले दो महीने में 50 हजार नौकरियां पैदा हुई हैं. गठबंधन की इस घुड़दौड़ को रोकने के लिए अभद्र गठबंधन की ओर से जी तोड़ कोशिशें की जा रही हैं. फडणवीस की दूरदर्शी और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता के कारण महाराष्ट्र में सड़कें, राजमार्ग, फ्लाईओवर, मेट्रो, सुरंगें, बंदरगाह, सूखी गोदी, नए हवाई अड्डे आदि बनाए जा रहे हैं। जैसा कि मोदी ने अपने भाषण में कहा, यह सब पहले साठ वर्षों में किया जा सकता था। आज विश्व के साथ-साथ हम भी एक विकसित देश माने जाते हैं। लेकिन कांग्रेस, शरद पवार आदि नहीं चाहते थे कि ऐसा हो, विकास नहीं बल्कि गरीबी लाचारी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ही उनकी राजनीति का मॉडल है। ग्रामीण महाराष्ट्र को प्रमुख केंद्रों से जोड़ने, नए शहर बनाने, गांवों में विभिन्न प्रकार के आय स्रोत, आधुनिक सेवाएं, सुविधाएं और रोजगार पैदा करने से युवाओं को शहर की ओर नहीं भागना पड़ेगा। हम अपने कार्यकाल के दौरान महागठबंधन सरकार द्वारा किये गये

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव-2024 के लिए गढ़चिरोली पुलिस बल तैयार...

> अति संवेदनशील मतदान केंद्रों समेत हर जगह रहेगी निगरानी

> 16000 सुरक्षाकर्मियों की सुरक्षा में संपन्न होगी पूरी चुनाव प्रक्रिया

> 170 आत्मसमर्पित माओवादी भी अपने मताधिकार का बजाएंगे हक

गढ़चिरोली.

गढ़चिरोली जिले में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव- 2024 के अनुसार, गढचिरौली, अहेरी एवं आरमोरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान प्रक्रिया तारिख 20/11/2024 को होगी। चूंकि गढ़चिरौली जिला माओवाद प्रभावित है, माओवादी सुरक्षा बलों पर हमला करना, विस्फोट करवाना, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना आदि देश विरोधी हरकतें करते रहते है। इस चुनाव के अनुरूप मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए गढ़चिरौली पुलिस बल पूरी तरह से तैयार है।

इस चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल/राज्य सशस्त्र पुलिस बल (सि.ए.पी.एफ/एस.ए.पी.एफ) की 111 कंपनी के साथ ही नागपुर शहर, महाराष्ट्र पुलिस अकादमी, नाशिक और पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, नागपूर जैसे विभिन्न स्थानों से कुल 500 पुलिस अधिकारी एवं अंमलदार और स्थानिक गढचिरौली से 700 से अधिक गृह रक्षक सुरक्षा कर्मियों सहित कुल 16000 से अधिक सुरक्षा कर्मियों को जिले के पूरे मतदान केंद्र पर तैनात किया गया है। चुनाव सुरक्षा मे तैनात सभी सुरक्षाकर्मियों को चुनाव के अनुरुप उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण दिया गया है। इसके साथ ही जिले के 367 अति संवेदनशील मतदान केंद्रो पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती की गई है और सी-60/सिआरपीएफ - क्यु.ए.टी./ वि.कृ.द./ क्यु.आर.टी की 36 स्कॉड के माध्यमसे जिले के संवेदनशील वन क्षेत्र में माओवादी विरोधी अभियान चलाया जाएगा।

इसके साथ ही जिले के सभी मतदान केंद्रों पर हवाई मार्ग से सूक्ष्म निगरानी के लिए 130 अत्याधुनिक ड्रोन के साथ एक ड्रोन टीम जमिनी बलों के लिए आसमान में आख के रुपमें काम करेगी तथा माओवादियों के ड्रोन पर जवाबी हमला करने के लिए 05 एंटी ड्रोन गन भी तैयार रहेंगे। चुनाव अवधि के दौरान मतदान केंद्र तक आने-जाने के लिए उपयोग किए जाने वाले मार्ग पर डी.एस.एम.डी./वाहन पर लगे डी.एस. एम.डी. का उपयोग करते हुए लगभग 750 किमी. रोड ओपनिंग अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही भारतीय वायुसेना के 03 एम.आय. 17 और भारतीय लष्कर के 02 ए.एल.एच ऐसे कुल 05 हेलीकॉप्टर गढचिरौली पुलिस बल की मदद मे तैनात किए गए है और गढचिरौली पुलिस बल के 02 हेलीकॉप्टरों के साथ-साथ कुल 07 हेलीकॉप्टरों की मदद से मतदान कर्मियों को विभिन्न संवेदनशिल तथा अति-संवेदनशिल स्थानों पर भेजा जाएगा। गढचिरौली जिले के सिमावर्ती इलाकों और तेलंगाना और छत्तीसगढ के निकटवर्ती जिलों की मदद सें बडे पैमाने पर माओवाद विरोधी अभियान चलाया जाएगा।

इसके साथ ही कल से भारतीय वायु सेना के एम.आई. 17 हेलीकॉप्टर की मदद से 153 मतदान केंद्रों से 650 मतदान कर्मियों को मतदान केंद्रोंपर भेजा जा चुका है तथा अन्य शेष 58 मतदान केंद्रोपर ईव्हिएम एवं मतदान कर्मियों को भेजने की प्रक्रिया तारिख 19/11/2024 तक जारी रहेगी। चुनाव अवधि के दौरान पुलिस बल को शांतिपूर्ण माहौल में एवं सफलतापूर्वक चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए तैनात किये जाने के कारण कोई भी अपना वोट नहीं डाल पा रहा था । इसलिए, गढ़चिरौली पुलिस द्वारा कुल 2979 डाक वोट डाले गए। इसके साथ ही 170 आत्मसमर्पित माओवादी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव-2024 के लिए मतदान कर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर चूनाव शांतीपूर्ण माहोल मे सुचारु रुपसे संपन्न करने के लिए संपूर्ण केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, विभिन्न राज्यों के पुलिस बलों के साथ-साथ राज्य के विभिन्न संभागों के पुलिस बल तथा होम गार्ड्स अपर पुलिस महासंचालक (विशेष कृती) सुनिल रामानंद, विशेष पुलिस महानिरीक्षक (नक्षलविरोधी अभियान) नागपूर, संदिप पाटील, पुलिस उप-महानिरीक्षक गडचिरोली परिक्षेत्र अंकित गोयल, पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल, अतिरीक्त पुलिस अधीक्षक (अभियान) यतिश देशमुख, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) एम. रमेश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अहेरी श्रेणिक लोढा के मार्गदर्शन में तैयार हैं। इस समय पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने जिले के सभी नागरिकों से आगे आकर भयमुक्त माहौल में मतदान करने की अपील की है।

चंद्रपुर जिले में सुगंधित तंबाकू की तस्करी और बिक्री पर कार्रवाई की मुहिम

चंद्रपुर.

जिला पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में शुरु की गयी है. जिसमे जिला अपराध शाखा पुलिस निरीक्षक महेश कोंडावार ने दल बनाकर कार्रवाई शुरू की है. अपराध शाखा दल ने 17 नवंबर 2024 को भिसी पुलिस स्टेशन अंतर्गतपेट्रोलिंग करने दरम्यान प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू की तस्करी कर रही टाटा हरिएर कार क्र. एम. एच 44 एस 3838 से होने की गुप्त जानकारी दल को मिलीथी. जिसके आधार पर दल नेकार को रोकने का प्रयास किया लेकिन कार चालक भाग गया.

दल ने कार का पीछाकर कर को पकडे पर कार चालक भागने में सफल हो गया. पुलिस ने कार की तलाशी लेने पर इगल सुगंधित तंबाखू ग्राम एक ऐसे कुल 75 पैकेट ऐसा कुल 75 किलो किं. 1,12,500/_ रु., होला सुगंधित तंबाखू 1000 ग्राम के एक पैकेट ऐसे कुल 155 पैकेट ऐसे कुल 155 किलो किं. 1,27,100/_ रु., पान पराग प्रीमियम मसाला कुल 80 पैकेट 8 किलो किं. 10,240/_ रु.

टाटा Harrier वाहन क्र. MH 44 S 3838 किमती 15,00,000 रुपये ऐसा कुल 17,55,440 रुपये का मुद्देमाल जप्त कर पुलिस स्टेशन भीसी में अपराध क्र. /24 कलम 223, 275 भा. ना. सं. सहकलम 30(2), 26(2) (अ), 3, 4, 59(1)

अन्नसुरक्षा और मानके अधिनियम 2006 में अज्ञात वाहन चालक के विरोध में मामला दर्ज किया गया है. यह कार्यवाही जिला पुलिस अधीक्षक मुमक्का सुदर्शन, अप्पर जिला पुलिस अधीक्षक रीना जनबंधु के मार्गदर्शन में जिला अपराध शाखा पुलिस निरीक्षक महेश कोंडावार के नेतृत्व में सपोनी बलराम झाडोकार, पोउपनि मधुकर सामलवार, पोउपनी संतोष निंभोरकर, पो हवा सुरेंद्र महतो, पो हवा संजय वाढई, पोहवा गणेश मोहुर्ले, पो अं, प्रमोद कोटणाके अपराध शाखा, चंद्रपूर ने की है.

प्रचार में नागरिकों से मिला उत्साहपूर्ण प्रतिसाद, रिकार्ड जीत का भरोसा : किशोर जोरग़ेवार

चंद्रपुर.

आज प्रचार का आखिरी दिन है. पिछले 22 दिनों से हमने विभिन्न माध्यमों से मतदाताओं तक पहुंचने का प्रयास किया है. मतदाताओं को किये गये विकास कार्यों और आगे किये जाने वाले कार्यों के बारे में बताया गया। इस अवसर पर चन्द्रपुरकर ने बैठकों और मार्चों में उत्साहपूर्ण सहभाग दर्शाया। विधायक किशोर जोरग़ेवार ने कहा कि उन्हें रिकॉर्ड जीत का भरोसा है.

आज शाम पांच बजे के बाद से प्रचार की गाड़ी ठंडी हो गयी है. हालांकि, इस प्रचार के आखिरी दौर में प्रत्याशियों ने मतदाताओं तक पहुंचने के लिए पूरी ताकत लगा दी. महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार विधायक किशोर जोरग़ेवार ने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तुकुम, बाबूपेठ, जुनोना चौक इलाकों में भव्य पदयात्रा निकालकर मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश की. इससे पहले वह तथागत गौतम बुद्ध और भारत रत्न डॉ.अंबेडकर के दर्शन के लिए महाविहार गए। बाबा साहेब अम्बेडकर का पुष्पमाला अर्पित कर अभिवादन किया गया। इस अवसर पर महाथेरो डॉ. सुमनवत्रो ने जोरग़ेवार को आशीर्वाद दिया.

जोरग़ेवार ने कहा कि पिछले पांच साल में उन्होंने निर्दलीय होते हुए भी चंद्रपुर के लिए करीब चार हजार करोड़ रुपये की निधि मंजूर की है. बाबूपेठ फ्लाईओवर के लिए साढ़े पांच करोड़ रुपये मंजूर किये गये हैं और आखिरी काम पूरा हो चुका है. आज इस पुल को नागरिकों के लिए खोल दिया गया है. हमने वढा तीर्थ के विकास के लिए 25 करोड़ रुपये का फंड मंजूर किया है। धनोरा बैराज का काम भी जल्द शुरू होने वाला है।

हमने 11 शिक्षाविदों को नियुक्त करने का निर्णय लिया था, लेकिन अब 11 से अधिक शिक्षाविद् निर्वाचन क्षेत्र में काम कर रहे हैं। दीक्षाभूमि के विकास के लिए लगभग 57 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है और उन कार्यों का भूमिपूजन भी हो चुका है। गांवों में सड़कें, सामाजिक भवन बनाये गये हैं. घुग्घुस ग्राम पंचायत का नगर परिषद में परिवर्तन से इस शहर के विकास में तेजी आई है।

हम विकास कार्यों के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों से निरंतर संपर्क में रहे हैं। चंद्रपुर की आराध्य देवी माता महाकाली का महत्व महाकाली महोत्सव के माध्यम से पूरे देश में फैल गया है। आज हमारे पास अम्मा नहीं हैं, लेकिन उनकी प्रेरणा से शुरू की गई "अम्मा का टिफिन" पहल हमेशा जारी रहेगी। इस पहल के जरिए हम 200 से ज्यादा नागरिकों को घर पर टिफिन पहुंचा रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कार्यालय में कार्यरत सेतु केन्द्र के माध्यम से कई नागरिकों के सरकारी योजनाओं के दस्तावेज निःशुल्क बनाये जा रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को अभिवादन.

बाबूपेठ में पदयात्रा के दौरान विधायक किशोर जोरग़ेवार ने बाबा साहेब अम्बेडकर की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया। उन्होंने नेताजी चौक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के स्मारक पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

स्वार्थ की राजनीति और वोटों की मजबूरी के लिए डॉ. अभिलाषा गावतुरे का अभियान

चंद्रपुर. राज्य के सांस्कृतिक कार्य एवं वन मंत्री एवं बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र के महागठबंधन के उम्मीदवार सुधीर मुनगंटीवार कर्मवीर मा.सा. कर्मवीर कन्नमवार मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष बेलदार समुदाय के नेता अनिल बोरगमवार ने कहा है कि, निर्दलीय प्रत्याशी डॉ.अभिलाषा गावतुरे स्वार्थी और गंदी राजनीति का परिचय देते हुए निम्न स्तर की राजनीति कर रही हैं.

खुद दादा साहब कन्नमवार कांग्रेस नेता थे। उनकी उपलब्धियों को सलाम करते हुए, तत्कालीन भाजपा विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने शहर में दादासाहेब का एक स्मारक बनवाया। उनकी स्मृति को संरक्षित करने के लिए एक बड़ा हॉल बनाया गया था। सुधीर मुनगंटीवार ने बार-बार दादासाहेब के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया है। विधानसभा में सुधीर मुनगंटीवार के भाषण इसके गवाह हैं. इस स्मारक के लिए उन्होंने 8 करोड़ की धनराशि दी। डॉ. गावतूरे को विधानसभा में रिकॉर्ड जांचना चाहिए, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण से चर्चा करनी चाहिए. लेकिन बोर्गमवार ने ये भी कहा है कि वोट के लिए हमें इतने निचले स्तर पर नहीं जाना चाहिए. हमने सुधीर मुनगंटीवार का भाषण सुना.

विकास प्रक्रिया तेजी से बढ़ाने के लिए बहुमत चाहिए: मुनगंटीवार

> बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र को देश का सबसे विकसित क्षेत्र बनाने का संकल्प

> मतदान कर अपना राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने का आह्वान

चंद्रपुर.

मैं पिछले तीस वर्षों से राजनीतिक क्षेत्र में एक जन प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रहा हूं। मतदाताओं के प्यार और आशीर्वाद से मैं पिछले पंद्रह वर्षों से बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। मैं इस विधानसभा क्षेत्र के विकास एवं जनकल्याण को अपना लक्ष्य मानकर कार्य कर रहा हूं। नागरिकों ने सदैव मुझे भरपूर प्यार दिया है। मैं उनके प्यार को कभी असफल नहीं करूंगा. मतदान हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा महायुति के उम्मीदवार सुधीर मुनगंटीवार ने नागरिकों से अपील की है कि सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए, यह ध्यान में रखते हुए कि उनके एक वोट से उनके विभाग का विकास होगा और हितों की रक्षा करने वाली सरकार बनेगी राज्य में लोगों की स्थापना की जाएगी. सुधीर मुनगंटीवार ने विकास प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए मतदाताओं से बहुमत से जिताने का अनुरोध किया है।

इस अपील पत्र में सुधीर मुनगंटीवार ने आगे कहा है कि मैं 1999, 2004, 2009 के दौरान विपक्षी पार्टी का विधायक था। हालांकि राज्य में मेरी पार्टी की कोई सरकार नहीं थी, लेकिन मैंने न केवल चंद्रपुर में बल्कि कई समस्याओं को हल करने के लिए राज्य सरकार को मजबूर किया। विधानसभा में विभिन्न संसदीय हथियारों का उपयोग कर जिला राज्य में अव्वल रखा। नागपुर विश्वविद्यालय को राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का नाम देना, अमरावती विश्वविद्यालय को वैराग्यमूर्ति गाडगे महाराज का नाम देना, पुणे विश्वविद्यालय को सावित्रीबाई फुले का नाम देना, गोंडवाना विश्वविद्यालय का निर्माण, मातंग समाज के लिए आयोग की नियुक्ति, महात्मा फुले के उत्तराधिकारियों के लिए नौकरियां ज्योतिबा फुले, भिड़ेवाड़ा की मरम्मत, संताजी जगनाडे महाराज और क्रांतिवीर बाबूराव शेडमाके की स्मृति में डाक टिकट जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए मजबूर किया। ऐसा करते हुए विधानसभा क्षेत्र के विकास की गति धीमी नहीं होने दी। 2014 में राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ. भाजपा सरकार सत्ता में आई। मैं वित्त और वन मंत्री बना। मैंने राज्य के आर्थिक विकास में योगदान देने का प्रयास किया। इस अवधि के दौरान मैंने चंद्रपुर जिले के विकास के लिए अभूतपूर्व धन जुटाया। सैनिक स्कूल, वन अकादमी, बांस अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र, बॉटनिकल गार्डन, मेडिकल कॉलेज, कैंसर अस्पताल, चिंचदोह परियोजना, कोटगल बैराज, पलसगांव आमदी सिंचाई परियोजना, चिंचाला और छह गांवों के लिए पाइप लाइन के माध्यम से सिंचाई सुविधा, मालगुज़ारी सिंचाई परियोजना, सड़कें और पुल अधिकांश समय मैंने एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय के उप-केंद्र में विकास कार्यों की एक बड़ी श्रृंखला बनाई। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, आधारभूत संरचना के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास किया गया। अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियाँ क्रियान्वित कीं, निरन्तर जनसेवा की। विकास को लेकर नागरिकों से कहा गया हर वादा पूरा किया गया। सुधीर मुनगंटीवार ने विश्वास व्यक्त किया है कि बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र को न केवल महाराष्ट्र में बल्कि देश के सबसे बड़े निर्वाचन क्षेत्र के रूप में प्रसिद्धि मिलेगी.

भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श पर चलकर आदिवासियों की समस्याओं का होगा समाधान

> भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

बल्लारपुर.

भगवान क्रांतिवीर बिरसा मुंडा ने समाज में शोषितों, वंचितों और आदिवासियों के अस्तित्व के संघर्ष को खत्म करने का संकल्प लिया। भगवान बिरसा मुंडा ने अपना पूरा जीवन आदिवासी समुदाय के न्याय अधिकारों के लिए लड़ते हुए बिताया। भगवान बिरसा मुंडा के विचारों के पथिक के रूप में, मैं निश्चित रूप से उनके संकल्प को आगे बढ़ाऊंगा और समाज में हाशिये पर पड़े लोगों के जीवन से अंधकार को दूर करने का प्रयास करूंगा, ऐसा राज्य के वन, सांस्कृतिक मामलों और मत्स्य पालन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने अपने विचार व्यक्त किये.

बल्लारपुर में भगवान वीर बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुनगंटीवार ने भाग लिया. वह उस समय बात कर रहे थे. मुनगंटीवार ने कहा कि, 'भगवान वीर बिरसा मुंडा ने कम उम्र में ही अंग्रेजों के अन्याय, अत्याचार और शोषण के खिलाफ लड़ाई लड़ी. उन्होंने हमारा देश हमारा अधिकार का विचार प्रस्तुत किया। उनके क्रांति ने अंग्रेजों से चले जाने को कहा। भगवान वीर बिरसा मुंडा ने यह बताने का काम किया कि आपको आदिवासियों का शोषण करने का कोई अधिकार नहीं है, एक-एक आदिवासी में एक हजार बाघों की ताकत है। वीर बिरसा मुंडा ने आदिवासियों और अन्य समुदायों के लिए संघर्ष का शंखनाद किया। आज उनकी जयंती मनाते हुए हम भयमुक्त महाराष्ट्र का संकल्प लेना चाहते हैं।

मैंने आदिवासी भाइयों के लिए कई काम किये हैं. शहरी क्षेत्रों के लिए शबरी आवास योजना लागू करने का निर्णय लिया गया। वन भूमि पट्टा कानून में संशोधन किया गया है। इस क्षेत्र में आदिवासियों को न केवल कृषि भूमि के पट्टे दिये जायेंगे बल्कि मकान निर्माण के लिये भी पट्टे दिये जायेंगे। वीर बाबूराव शेडमाके के नाम से डाक टिकट निकाला गया. मिशन ओलंपिक के लिए इस जिले में 137 करोड़ रुपये की लागत से वातानुकूलित स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है. इस स्टेडियम का नाम वीर बाबूराव शेडमाके के नाम पर रखने का फैसला किया गया है. प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए लाइब्रेरी, सामुदायिक मंदिर, ऑडिटोरियम जिम, इस क्षेत्र का सौंदर्यीकरण, भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा आदि का कार्य पूरा किया जाएगा।

इस बात की पूरी गारंटी है कि आदिवासी समुदाय के लिए चार गुना काम ज्यादा करूंगा.

कांग्रेस के 75 साल के शासन में एक बार भी कोई आदिवासी व्यक्ति देश के सर्वोच्च पद पर नहीं पहुंचा। विश्वगौरव नरेंद्र मोदी ने आदिवासी समाज के एक सामान्य व्यक्ति को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासी समाज को सम्मान दिलाया। मैं बल्लारपुर में आदिवासी समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए राष्ट्रपति महोदय को निश्चित रूप से अवगत करूंगा.

आरमोरी विधानसभा क्षेत्र में मतदान केन्द्र दल ड्यूटी पर रवाना...

गढ़चिरोली. देसाईगंज दिनांक 18 -: 67- आर्मरी (एजे) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव 20 नवंबर 2024 को होंगे। इसके मुताबिक, आर्मरी- 67 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 310 बूथों पर चुनाव प्रक्रिया का संचालन करेगी. उसके लिए आज दिनांक 18/11/2024 को 39 बुध वार दस्तों को हेलीकाप्टर द्वारा तथा 91 दस्तों को बस एवं अन्य वाहनों द्वारा अपने सरकारी कर्तव्यों के निर्वहन हेतु रवाना किया गया है। इस मौके पर मतदान कर्मियों का मनोबल बढ़ाने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु चुनाव निरीक्षक विनीत कुमार (भा.पु.से.) एवं चुनाव रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी श्रीमती मानसी उपस्थित थी। इस अवसर पर क्षेत्रीय पदाधिकारी एवं मतदान पदाधिकारी का गुलाब का फूल देकर स्वागत किया गया. मतदान अधिकारी काफी उत्साहित दिखे और उन्होंने अपना पिछला चुनाव अनुभव भी बताया. संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रत्येक नागरिक को सहभागिता दिखानी चाहिए और सहयोग करना चाहिए।

सुगंधित तंबाकू के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चंद्रपुर.

गुप्त सूचना के आधार पर भद्रावती पुलिस ने घेराबंदी कर दो बाइक पर ले जाये जा रहे सुगंधित तंबाकू को जब्त कर लिया. यह कार्रवाई गुरुवार 14 नवंबर को शाम करीब 6.30 बजे ढोरवासा टी पॉइंट पर की गई. आरोपियों के नाम अमित विट्ठल बोंडे (31, निवासी भद्रावती) और वैभव महादेव लांडे (30, निवासी भद्रावती) हैं. भद्रावती पुलिस को मिली गुप्त सूचना के अनुसार जब भद्रावती पुलिस ने नाकेबंदी की तो पता चला कि वे दो बाइक पर सुगंधित तंबाकू लेकर जा रहे थे. जब उनकी जांच की गई तो उनके पास से दो दोपहिया वाहन और 36 पेटी सुगंधित तंबाकू कुल कीमत 1 लाख 84 हजार 600 रुपये जब्त की गई. दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और भद्रावती पुलिस घटना की आगे की जांच कर रही है.

राजुरा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी ऍड. वामनराव चटप को वोट देने की अपील

राजुरा. राजुरा विधानसभा क्षेत्र में स्वतंत्र भारत पार्टी के उम्मीदवार एड वामनराव चटप की पत्नी ने भावना व्यक्त की कि इतने वर्षों की सार्वजनिक सेवा का उन्हें जरूर फल मिलेगा। चंद्रपुर जिले के राजुरा विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार एडवोकेट वामनराव चटप के लिए प्रचार करने के लिए आज गडचांदूर में प्रहार संगठन के पूर्व मंत्री बच्चू कडू द्वारा एक सार्वजनिक बैठक का आयोजन किया गया था। ऍड वामनराव चटप की साये की तरह उनका साथ देने वाली उनकी धर्म पत्नी भी इस सभा में आई थी. तब उन्होंने अपने पति को भारी बहुमत से जीताने की भावनीक अपील की.

सरकारी अस्पताल में पूर्व सासंद अशोक नेते ने जाना दुर्घटना पीड़ितों का हाल

गढ़चिरोली.

15 नवंबर 2024 को गढ़चिरौली जिले के येवली-रामपुरी गांव में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर विट्ठल की पालकी समारोह का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। जब इस समारोह में शामिल लोग नदी में स्नान करने के लिए ट्रैक्टर ले जा रहे थे, तभी सड़क के एक मोड़ पर ट्रैक्टर चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और ट्रैक्टर पलट गया और एक बड़ा हादसा हो गया. इस हादसे में 22 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन कई लोगों के हाथ-पैर टूट गए और साथ ही अन्य गंभीर चोटें आईं।

इस घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व सांसद और भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव अशोक नेते तुरंत गढ़चिरौली के जिला सामान्य अस्पताल पहुंचे. उन्होंने दुर्घटना पीड़ितों से मुलाकात की और उनसे पूछताछ की. इस मौके पर अस्पताल के जिला सर्जन डॉ. माधुरी कीलनाके और उपजिला सर्जन डॉ. सतीश कुमार सोलंकी, डॉ. मनीष मेश्राम को मरीजों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

दुर्घटना पीड़ितों की स्थिति की जानकारी लेने के बाद अशोक नेते ने जिला सामान्य अस्पताल की स्वास्थ्य देखभाल की समीक्षा की. इस अवसर पर जिला महासचिव प्रकाश गेडाम, सहकार अघाड़ी के जिला अध्यक्ष आशीष पिपरे, भाजपा नेता संजय बारापात्रे और नरेश कुंडिकवार उपस्थित थे. पूर्व खासदार अशोक नेते के त्वरित हस्तक्षेप के कारण घायलों को उचित उपचार और राहत दी गई। उनकी संवेदनशीलता और नेतृत्व गुणों को एक बार फिर पहचाना गया।

"...तो फिर उद्धव ठाकरे कैसे सामने आए?"

> राज ठाकरे का गुस्सा भरा सवाल

मुंबई.

राज ठाकरे शिवडी विधानसभा क्षेत्र बाला नांदगांवकर महाराष्ट्र-नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे और उनकी पार्टी कई वर्षों से मस्जिदों के खिलाफ आंदोलन कर रही है। महाविकास अघाड़ी सरकार के दौरान महाराष्ट्र के सैनिक अधिक आक्रामक हो गए थे और विरोध प्रदर्शन करने लगे थे. हालाँकि, उस समय सरकार ने महाराष्ट्र के हजारों सैनिकों के खिलाफ मामले दर्ज किए थे। राज ठाकरे अक्सर इसे लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से नाराजगी जाहिर करते थे.एक बार फिर राज ने अपना गुस्सा जाहिर किया. राज ने शिवडी में विधानसभा चुनाव के लिए मनसे उम्मीदवार बाला नंदगांवकर के लिए एक अभियान बैठक की।

राज ठाकरे ने कहा, ''चुनाव आते-जाते रहते हैं, ये गिरेगा, वो हारेगा,ये चलता रहेगा. लेकिन इन सबके कारण एक बार राज्य की जो हालत खराब हो जाती है, उसकी भरपाई नहीं की जा सकती. मैं यही करने की कोशिश कर रहा हूं.महाराष्ट्र में मस्जिदों से भोंगे हटाने के लिए मनसे ने बड़ा आंदोलन शुरू किया.मैं खुद इसके लिए प्रयास कर रहा हूं.' इसके बाद मस्जिदों पर से पर्दा हटाने का आदेश दिया गया. इसके बाद कई मस्जिदों को हटा दिया गया. कई भोंगे बंद हो गए। हालांकि, बाद में इसे रोक दिया गया। मस्जिदों में भोज पर प्रतिबंध है, लेकिन आपसे कहा जाता है कि हनुमान चालीसा न बोलने वाले थे. यानी उनकी सरकार मस्जिदों पर भोंगों की रक्षा कर रही थी और हनुमान चालीसा कहने वाले महाराष्ट्र के सैनिकों पर मुक़दमे दर्ज कर रही थी।

हर किसी को अपने राज्य, अपने महाराष्ट्र को सुधारना चाहिए

राज ठाकरे ने कहा, ''हमारे महाराष्ट्र में पिछले कुछ सालों से कुछ लोगों ने जाति की राजनीति शुरू कर दी है. हमारा समाज टूट रहा है.कोई व्यक्ति अपनी जाति को प्रिय समझ सकता है।लेकिन दूसरी जाति से नफरत करना,लोगों के बीच नफरत पैदा करना गलत है.महाराष्ट्र में स्थिति गंभीर है. इसलिए हर किसी को अपने राज्य,अपने महाराष्ट्र को सुधारना चाहिए।

कर्ज से परेशान नगर निगम अधिकारी ने की आत्महत्या!

मुंबई. नवी मुंबई नगर निगम के अधिकारी मनोहर गांगुर्डे ने अपने आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. यह घटना शनिवार को सामने आई और कामोठे पुलिस आगे की जांच कर रही है. मनोहर गांगुर्डे नवी मुंबई नगर निगम के ऐरोली डिवीजन कार्यालय में एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत थे । वह खुद कामोठे सेक्टर 16 स्थित प्रेमावर सोसाइटी में रहता था। इसी स्थान पर शुक्रवार की रात उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब पता चला कि वह दरवाजा नहीं खोल रहा है तो पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और जब पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो देखा कि उसने फांसी लगा ली है. उन्हें पता चला कि उन्हें होम लोन का नोटिस मिला है। इसलिए कामोठे पुलिस ने प्रारंभिक अनुमान जताया है कि आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने आत्महत्या की है. उक्त आत्महत्या की घटना की सूचना शनिवार को दी गई और आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक प्रियंका खरतमल द्वारा की जा रही है।

म्हाडा प्रशासन जल्द ही पेपरलेस

> सभी सेवाएं कम्प्यूटरीकृत होंगी

मुंबई.

म्हाडा ने पहले ही म्हाडा के पूरे प्रशासन को कम्प्यूटरीकृत और कागज रहित बनाने का निर्णय लिया था। अब इस फैसले पर अमल शुरू किया जाएगा. तदनुसार, म्हाडा में सभी सेवाएं जल्द ही ई-ऑफिस प्रणाली के तहत कंप्यूटरीकृत हो जाएंगी। इसे चरणबद्ध तरीके से कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा और पहले चरण में पुराने उपकर भवनों के पुनर्विकास प्रस्ताव पर समय विस्तार देने या 'अनापत्ति' प्रमाण पत्र देने की प्रक्रिया कम्प्यूटरीकृत की जाएगी। वहीं मुंबई बोर्ड में भूखंडों के लीज एग्रीमेंट का नवीनीकरण कंप्यूटरीकृत पद्धति से होने जा रहा है। म्हाडा के संबंधित विभाग द्वारा प्रथम चरण की सेवाओं के कम्प्यूटरीकरण का काम जल्द ही शुरू किया जाएगा। कुल मिलाकर इस कंप्यूटरीकरण से म्हाडा का प्रशासन जल्द ही कागज रहित हो जाएगा।

म्हाडा आवास परियोजनाओं को लागू करती है और लॉटरी के माध्यम से आम लोगों को घर वितरित करती है। पुरानी इमारतों, पुरानी बस्तियों का पुनर्विकास किया जाता है। जबकि कई अन्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। इन सभी कार्यों के लिए म्हाडा लाभार्थियों को अन्य नागरिकों के साथ म्हाडा भवन और राज्य भर के विभिन्न प्रभाग मंडलों में आना पड़ता है। म्हाडा ने समय के अनुसार प्रशासन को कंप्यूटरीकृत करने का निर्णय पहले ही ले लिया था। इसके अनुसार, प्री-ड्रा और ड्रा की प्रक्रिया को कम्प्यूटरीकृत किया गया, जबकि ड्रा के बाद की पूरी प्रक्रिया को भी डेढ़ साल पहले ही कम्प्यूटरीकृत किया गया है। ऐसा कहा जाता है कि चूंकि पूरी लॉटरी प्रक्रिया कम्प्यूटरीकृत हो गई है, इसलिए मानवीय हस्तक्षेप समाप्त हो गया है और लॉटरी पारदर्शी हो गई है। सामान्य ड्रा के साथ-साथ व्यापक सूची पर हाउस ड्रा को भी कम्प्यूटरीकृत किया गया है। म्हाडा के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया है कि अब म्हाडा में सभी सेवाओं को कंप्यूटरीकृत करने का निर्णय लिया गया है। तदनुसार, सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा। सेवाओं के कम्प्यूटरीकरण का पहला चरण जल्द ही शुरू किया जाएगा। पहले चरण में, मुंबई बिल्डिंग रिपेयर एंड रिकंस्ट्रक्शन बोर्ड के तहत पुरानी इमारतों के पुनर्विकास प्रस्तावों के लिए समय विस्तार की प्रक्रिया के साथ-साथ प्रस्तावों पर 'अनापत्ति' प्रमाण पत्र देने की प्रक्रिया को कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा। अब से म्हाडा कॉलोनी के पुनर्विकास प्रस्तावों को भी कम्प्यूटरीकृत पद्धति से ही मंजूरी दी जाएगी। साथ ही भूमि पट्टा समझौतों, विलेखों का नवीनीकरण भी ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। दूसरे चरण में अन्य सेवाओं को कंप्यूटरीकृत किया जाएगा। कुल मिलाकर अगले कुछ महीनों में म्हाडा का प्रशासन कागज रहित और कम्प्यूटरीकृत हो जाएगा।

मुंबई यूनिवर्सिटी में तकनीकी कठिनाइयों का सिलसिला

> परीक्षा में देरी, 'पेट' की परीक्षा में उलझन

मुंबई. पीएच.डी. मुंबई यूनिवर्सिटी ने दो साल बाद रविवार को प्री-एंट्रेंस परीक्षा यानी 'पीईटी' आयोजित की, जबकि इसे साल में एक बार आयोजित किया जाना था। हालांकि, परीक्षा के दौरान छात्रों को कई तकनीकी कठिनाइयों और विश्वविद्यालय की खराब योजना का सामना करना पड़ा। परिणामस्वरूप, एक तकनीकी खराबी के कारण, विश्वविद्यालय को रविवार, 24 नवंबर को डोंबिवली के एक परीक्षा केंद्र में 'पीईटी' और 'एलएलएम' प्रवेश पूर्व परीक्षा आयोजित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। साथ ही तकनीकी खराबी के कारण विभिन्न केंद्रों पर 'पीईटी' दो से तीन घंटे की देरी से शुरू हुई. विश्वविद्यालय की खराब योजना के कारण छात्रों को मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ी और सोशल मीडिया पर विश्वविद्यालय की आलोचना की गई। बॉम्बे यूनिवर्सिटी ने सुबह 10.30 से 12.30 बजे तक दो घंटे के लिए 'पीईटी' सत्र और दोपहर 3 से 4 बजे तक एक घंटे के लिए 'एलएलएम' प्री-एंट्रेंस परीक्षा आयोजित करने की योजना बनाई है। इसके लिए चूंकि अभ्यर्थियों को परीक्षा से 1 घंटा पहले संबंधित परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित होना अनिवार्य है, इसलिए छात्र 'पीईटी' के लिए सुबह 9.30 बजे परीक्षा केंद्रों पर पहुंच गए.

लगाई गई योगियों की बैठक,गडकरी ने की मांग!

छत्रपति संभाजीनगर:

'बटेंगे तो कटेंगे' जैसा आक्रामक भाषण देने वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा के दौरान जहां राज्य में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की सभाओं की खूब मांग रही. भाषणों के माध्यम से विकास के मुद्दों पर बात करने और उनके द्वारा किए गए सड़क कार्यों को देखने में गडकरी की रुचि थी। इसलिए एक अभियान चला जिसमें योगी की सभाएं थोपी गईं और गडकरी की सभाएं कराने की मांग की गई.

कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस के विधायकों ने कई वर्षों तक मुस्लिम और दलित समुदाय को एक साथ रखा था। 'कटेंगे तो लड़ेंगे' का नारा इन नेताओं के लिए बहुत उपयोगी नहीं रहा. हालांकि, अगर गडकरी आते हैं तो फायदा होगा. इन नेताओं को लगा कि चुनाव क्षेत्र में आने वाले किसी वरिष्ठ भाजपा नेता की छवि भी बनेगी और प्रचार के आखिरी चरण में विकास के मुद्दे को आगे बढ़ाया जा सकेगा. मराठवाड़ा के कई नेताओं ने उनकी बैठकों की मांग की थी. उन्होंने लातूर, नांदेड़ के साथ मराठवाड़ा में भी प्रचार किया. राणा जगजीत सिंह पाटिल ने गडकरी से मिलने की जिद की थी. मांग की गई कि गडकरी 75 से ज्यादा बैठक करें. बताया जाता है कि इनमें से 50-52 में उन्होंने बैठक की.

कहीं बारिश तो कहीं लुढ़का पारा

नई दिल्ली। देश में इन दिनों कहीं बारिश तो कहीं तापमान के लुढ़कने से ठंड का एहसास हो रहा है। आने वाले दिनों में देश के विभिन्न भागों में मौसम के मिजाज में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद है, तापमान में उल्लेखनीय गिरावट और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में लगातार कोहरा छाया रहेगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के नए पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है। इसके अलावा, मध्य भारत में न्यूनतम तापमान अगले तीन दिनों तक स्थिर रहने की संभावना है, जिसके बाद धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी। महाराष्ट्र में भी इसी तरह के रुझान की उम्मीद है, जहां अगले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का अनुमान है.

110 पुलिस वाहनों पर सीसीटीवी कैमरे

> शराब, गुटखा, हथियार जब्त

नासिक. विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नासिक ग्रामीण पुलिस जिले में अवैध धंधों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई कर रही है. चुनाव के सुचारू संचालन के लिए नासिक ग्रामीण जिला पुलिस बल द्वारा निवारक उपाय किए गए हैं। पुलिस की 110 गाड़ियों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाएगा. आदर्श आचार संहिता की पृष्ठभूमि में पुलिस द्वारा एहतियाती कदम उठाये गये हैं.

वर्तमान में, जिले में 48 सरायपालों को निर्वासित किया गया है और दो सरायपालों को एमपीडीए अधिनियम के तहत स्थापित किया गया है। 14 देशी बंदूकें, 37 जिंदा कारतूस, 43 तलवारें, नौ कोयोट-चॉपर, चाकू जैसे हथियार जब्त किए गए हैं। इसके अलावा 5 हजार 473 लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गयी है. शराब के अवैध स्टॉक और बिक्री के संबंध में एक हजार 191 मामले दर्ज किए गए हैं और 1 करोड़, 44 लाख, 40 हजार 758 रुपये का माल जब्त किया गया है। राज्य में प्रतिबंधित गुटखा स्टॉक की बिक्री के मामले में 52 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है. इनके पास से 93,19,415 रुपये का गुटखा जब्त किया गया है. सात लोगों के खिलाफ नशीली दवाओं से संबंधित अपराध दर्ज किए गए।

प्रवासियों के मुद्दे पर फेल हो गई सरकार

> कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने माना

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने माना है कि उनकी सरकार ने कुछ गलतियां की हैं जिसकी वजह से देश में प्रवासियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। ट्रूडो ने रविवार को अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में यह बातें कही हैं। जस्टिन ट्रूडो ने वीडियो में कहा, पिछले दो सालों में हमारी जनसंख्या तेजी से बढ़ी है। फर्जी कॉलेज और नकली कंपनियों ने अपने स्वार्थ के लिए हमारी प्रवासी नीतियों का गलत इस्तेमाल किया। ट्रूडो का यह बयान ऐसे समय आया है जब वह अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले विपक्ष के निशाने पर हैं। विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी ने भी ट्रूडो सरकार पर कनाडाई नागरिकों की जरूरतों को प्राथमिकता ना देने का आरोप लगाया है।

ट्रूडो ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के बाद उन्होंने देश में श्रमिकों को लाने की मांग थी। उन्होंने कहा, हमने श्रमिकों को आमंत्रित किया क्योंकि उस वक्त यह सही विकल्प था। हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ी। रेस्तरां और स्टोर फिर से खुल गए, व्यवसाय चलते रहे, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बहुत से अर्थशास्त्रियों की भविष्यवाणियों के बावजूद हमने मंदी को टाल दिया। कुछ लोगों ने इसे सिस्टम को धोखा देने के लिए मुनाफा कमाने के अवसर के रूप में देखा।

ट्रूडो ने आगे कहा, बहुत से कॉलेज और विश्वविद्यालय अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रों का इस्तेमाल करते हैं। इस धोखाधड़ी को रोकने की जरूरत है। उन्होंने कहा, "कुछ बुरे लोग हैं जो नौकरियों, डिप्लोमा और नागरिकता के आसान रास्ते के वादों के साथ अप्रवासियों को निशाना बनाते हैं।" ट्रूडो ने यह भी स्वीकार किया कि कनाडा ने इन चुनौतियों का जवाब देने में देर कर दी थी।

2025 से 2027 तक का प्लान

गौरतलब है कि, कनाडा में नई इमिग्रेशन नीति के तहत 2025 में सिर्फ 3,95,000 लोगों को परमानेंट रेजिडेंसी दी जाएगी। आने वाले सालों में इसमें और भी ज्यादा गिरावट देखने को मिलेगी। 2026 में 3,80,000 और फिर 2027 में 3,65,000 लोगों ही परमानेंट रेजिडेंसी देने का प्लान है। इससे साफ है कि पीआर देने में कनाडा अब कटौती कर रहा है।

पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति को राजनीतिक रंग न दें

> हाईकोर्ट की टिप्पणी

मुंबई. विपक्ष की आपत्तियों के बाद पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला को अनिवार्य छुट्टी पर भेज दिया गया है। हालाँकि, इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है क्योंकि सरकार ने उनके स्थान पर संजय कुमार को नियुक्त किया और स्पष्ट कर दिया कि यह केवल चुनाव अवधि तक ही सीमित रहेगा। हालांकि, कोर्ट ने सोमवार को याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया. साथ ही याचिका दायर करने के याचिकाकर्ता के मकसद पर भी सवाल उठाया गया.

सरकार ने चुनाव आयोग के आदेश का पालन किया है . साथ ही, किसी आईपीएस अधिकारी की नियुक्ति को जनहित याचिका के माध्यम से कैसे चुनौती दी जा सकती है? इस नियुक्ति से जनहित को कैसे ख़तरा हुआ है? मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ ने याचिकाकर्ताओं के वकील से पूछा। इसी तरह, पुलिस महानिदेशक के पद पर अस्थायी तौर पर नियुक्त अधिकारी को सरकार के फैसले को चुनौती देनी चाहिए. आप चुनौती क्यों दे रहे हैं? यदि किसी अधिकारी को अस्थायी आधार पर नियुक्त किया जाता है, तो वह याचिकाकर्ताओं को क्या नुकसान पहुंचाएगा? कोर्ट ने ये सवाल भी पूछा. इस पर कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता खुद को लोक सेवक बताकर मामले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश न करें. साथ ही पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति के फैसले को जनहित याचिका के जरिये चुनौती देने पर नाराजगी जताई.

इस बीच, चुनाव आयोग ने शुक्ला को हटाकर संजय कुमार वर्मा को पुलिस महानिदेशक नियुक्त करने का स्पष्ट आदेश दिया था क्योंकि पुलिस महानिदेशक को चुनाव के दौरान तटस्थ और निष्पक्ष रूप से काम करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि, चुनाव आयोग के इन आदेशों का उल्लंघन करते हुए, राज्य सरकार ने एक आदेश पारित किया जिसमें स्पष्ट किया गया कि वर्मा की नियुक्ति आचार संहिता तक होगी। इसके खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है जिसमें आरोप लगाया गया है कि चुनाव आयोग के आदेश में इस तरह का बदलाव आयोग के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है.

दिल्ली में पहली बार 450 के पार हुआ एक्यूआई

नई दिल्ली।

दिल्ली की हवा लगातार खराब होती जा रही है। सोमवार को राजधानी की हवा इस सीजन की सबसे खराब हवा दर्ज की गई। जिसमें सांस लेने में भी लोगों को परेशानी होती नजर आई। इस दौरान हवा की गुणवत्ता इस सीजन में पहली बार 450 के पार निकल गई। जो गंभीर प्लस श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली में सोमवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक 481 दर्ज किया गया। इस बीच सुबह के वक्त पूरा एनसीआर धुंध में ढका नजर आया।

पूरे राष्ट्रीय राजधानी की हवा कमोबेश ऐसी ही दिखाई दे रही है। क्योंकि इस दौरान नोएडा में एक्यूआई 384 दर्ज किया गया। जबकि गाजियाबाद में 400 तो गुरुग्राम में ये बढ़कर 446 पहुंच गया. वहीं फरीदाबाद में सोमवार सुबह वायु की गुणवत्ता 320 दर्ज की गई।

इस बीच बीत रात राजधआनी में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 475 दर्ज किया गया. यही नहीं राजधानी के अधिकतर इलाकों में एक्यूआई 400 के पार ही दर्ज किया गया। हवा की खराब होती गुणवत्ता के चलते मौसम विभाग ने सोमवार के लिए दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही सरकार ने ग्रेप-4 की पाबंदियां भी लागू कर दी हैं। इस दौरान सरकार ऑड-ईवन, ऑफलाइन क्लासेज को भी पूरी तरह से बंद करने का निर्णय ले सकती है. इसके अलावा कार्यालयों में 50 प्रतिशत उपस्थिति और अन्य आपातकालीन उपायों जैसे निर्णय भी ले सकती है.

उधर, सोमवार को इस पर वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कोर्ट को बताया कि ग्रेप-4 लागू होने के बावजूद अभी भी सुप्रीम कोर्ट के अंदर निर्माण कार्य चल रहा है। पत्थर तोड़े जा रहे हैं और हवा में धूल उड़ रही है। जस्टिस ओक ने इस पर गंभीरता दिखाते हुए सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल को तलब कर लिया।

देरी से उड़ान भर रहे विमान

दिल्ली-एनसीआर में छाई धुंध के चलते सोमवार सुबह आईजीआई एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी 150 मीटर ही रह गई. जिसके चलते कई फ्लाइट 30 मिनट से लेकर एक घंटे की देरी से उड़ान भर पाईं। हालांकि अभी तक किसी फ्लाइट के कैंसिल होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

आज का राशिफल

मेष - जातकों के लिए कल दिन इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा. आपको अपने घरेलू कामों पर पूरा ध्यान देना होगा.

वृषभ - जातको के लिए दिन आनंदमय रहने वाला है. आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी.

मिथुन- जातकों के लिए कल दिन सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा. आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा.

कर्क -दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है. आप अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाएंगे और किसी से यदि कोई कर्जा लिया था,

सिंह - शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले,

कन्या - जातकों के लिए दिन रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने वाला रहेगा. आपकी कला कौशल में सुधार आएगा.

तुला -आज दिन सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा.

वृश्चिक - आज कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. बच्चों के साथ आप समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे.

धनु -जातकों की नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी. आप अपने आवश्यक कामों को कल पर टालने की कोशिश ना करें. यदि आपने धन संचय करने का सोचा था

मकर -जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको पारिवारिक मुद्दों में ढील देने से बचना होगा.

कुंभ -आज दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको यदि कोई शारीरिक कष्ट लंबे समय से चल रहा था, तो उसमें भी काफी हद तक राहत मिलेगी.

मीन -आज दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा. साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा.

बच्चू कडू ने विद्रोही उम्मीदवार का कटु समर्थन किया

> कहा, 'नेता अब खतरे में हैं'

अमरावती.

चुनाव प्रचार खत्म होते ही प्रहार जनशक्ति पार्टी के नेता बच्चू कडू ने बडनेरा विधानसभा क्षेत्र में युवा स्वाभिमान पार्टी के उम्मीदवार रवि राणा के खिलाफ नई चाल चली है. बच्चू कडू ने बिना शर्त शिवसेना ठाकरे गुट की बागी उम्मीदवार प्रीति बंड का समर्थन किया है। उन्होंने प्रीति बंड को बढ़ावा देने के लिए रविवार रात बडनेरा के आठवडी बाजार मैदान में एक अभियान बैठक की।इस बैठक में उन्होंने अपने अनोखे अंदाज में रवि राणा समेत विभिन्न राजनीतिक दलों की आलोचना की.

बच्चू ने राणा दंपत्ति की आलोचना करते हुए कटु स्वर में कहा, कोई भी काम ले लो, ठेकेदार का है. बडनेरा में दलित और मुस्लिम समुदायों को एक साथ लाया जा रहा है। इस जगह से हिंदू शेरनी गायब है. उनकी राजनीति सुविधाजनक है. लेकिन, लोगों को मूर्ख मत बनाओ। वे पैसे लेकर भी हारे बिना नहीं रहेंगे. रवि राणा हाल ही में संविधान के 'उडो उडो' रहे हैं. लोकसभा चुनाव के दौरान, उन्होंने हमारी पार्टी के उम्मीदवार दिनेश बाबा के लिए आरक्षित साइंसकोर क्षेत्र को हड़प लिया, जबकि उन्होंने ही कानून का उल्लंघन किया था। वे हमें संविधान पढ़ा रहे हैं.

अच्छी बात यह रही कि प्रीति बंड को मशाल चुनाव चिह्न नहीं मिला."हम बडनेरा विधानसभा क्षेत्र में बदलाव देख रहे हैं,"बच्चू ने कटुतापूर्वक कहा कि मशाली ने आग नहीं जलाई होगी। हालांकि, किसी को भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। आज अपने घर पर रिश्तेदारों को प्रीति बंड की जीत के लिए लिए गए दृढ़ निर्णय के बारे में बताएं। अब दो दिन तक जागते रहो. विरोधियों के किसी भी बहकावे में न आएं। वहां तुषार भारतीय निर्दलीय प्रत्याशी राणा को पटखनी देने के लिए तैयार हैं. नवनीत राणा खुद को हिंदू शेरानी मानती हैं। लेकिन, उन्हें याद रखना चाहिए कि प्रीति बंड किसानों और खेत मजदूरों की शेरनी है।

बडनेरा की लड़ाई किसी पार्टी की नहीं है

बच्चू ने कटु स्वर में कहा, बडनेरा की यह लड़ाई किसी पार्टी की नहीं है. राजनीतिक दल स्वार्थ के लिए जाति-धर्म का उपयोग करते हैं। इस देश में डॉ. मनमोहन सिंह प्रधान मंत्री हैं और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रपति थे, तब हिंदू संकट में नहीं थे।दरअसल, 'हिंदू खतरे में है,मुस्लिम खतरे में है' ये राजनेताओं की भाषा है.लेकिन, नेता खुद 'खतरनाक' हैं.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर आपत्तिजनक बयान

>जावेद अख्तर बरी >याचिकाकर्ता ने शिकायत वापस ली

मुंबई. एक इंटरव्यू के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में मशहूर गीतकार जावेद अख्तर के खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत वापस ले ली गई है। इस पृष्ठभूमि में, मुलुंड मजिस्ट्रेट ने अख्तर को मामले से बरी कर दिया। कोर्ट के फैसले से जावेद अख्तर को राहत मिली है.

शिकायतकर्ता ने कुछ दिन पहले अख्तर के खिलाफ शिकायत वापस लेने के लिए मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन किया था. इसमें कहा गया था कि दोनों पक्ष आपसी सहमति से इस मामले को अदालत के बाहर निपटाने पर सहमत हुए थे और इसलिए वे अख्तर के खिलाफ मामला आगे नहीं बढ़ाना चाहते थे। इस पर संज्ञान लेते हुए मुलुंड मजिस्ट्रेट एस. डी। चक्कर ने अख्तर को मामले से बरी कर दिया.

तालिबान से सत्ता हस्तांतरण के बाद अख्तर ने एक न्यूज़ चैनल को इंटरव्यू देते हुए इस संबंध में अपनी राय भी जाहिर की. उस वक्त उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना तालिबान से की थी. संघ की विचारधारा तालिबान से मिलती जुलती है. अख्तर ने कहा था कि संघ नागरिकों को गुमराह कर रहा है और उनका मनोबल गिरा रहा है. यह आरोप लगाते हुए कि अख्तर के बयान से जनता के मन में संघ की छवि खराब हुई है, संघ के कट्टर समर्थक वकील संतोष दुबे ने मुलुंड मजिस्ट्रेट की अदालत में अख्तर के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दायर की। दुबे ने शिकायत में यह भी कहा था कि अख्तर ने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए टीम के नाम का अनावश्यक रूप से इस्तेमाल किया है.

श्रीलंका की न्यूजीलैंड पर धमाकेदार जीत

खत्म किया 12 साल का इंतजार

नई दिल्ली.

दिग्गज बैटिंग ऑलराउंडर सनथ जयसूर्या जब से श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के हेड कोच बने हैं, तब से ही श्रीलंकाई टीम के खेल में काफी बदलाव देखने को मिला है. श्रीलंकाई टीम एक के बाद एक बड़े कारनामे करती जा रही है. श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच पल्लेकेले के पल्लेकेले क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. इस मैच में श्रीलंका ने रोमांचक जीत हासिल की और 12 साल से चलते आ रहे एक इंतजार को भी खत्म किया. श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज के दूसरे मैच में शानदार टक्कर देखने को मिली. न्यूजीलैंड की टीम इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.1 ओवर ही खेल सकी और 209 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. इस दौरान मार्क चैपमैन ने सबसे ज्यादा 76 रन बनाए. वहीं, मिचेल हे ने 49 रनों का योगदान दिया और विल यंग ने भी 26 रन बनाए. इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टीक सका. दूसरी ओर श्रीलंका के लिए महेश थीक्षाना और जेफ्री वेंडरसे ने सबसे ज्यादा 3-3 विकेट लिए. लेकिन, 210 रनों के टारगेट के जवाब में श्रीलंका ने अपने 7 विकेट 163 रन पर ही गंवा दिए. ऐसे में ये मैच न्यूजीलैंड के पक्ष में जाता हुआ दिख रहा था. लेकिन कुसल मेंडिस के बल्ले से एक मैच विनिंग पारी देखने को मिली. उन्होंने नाबाद 74 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया.वहीं, महेश थीक्षाना ने गेंद के बाद बल्ले से भी कमाल किया.

27 के जेक से हारे 58 के टायसन

आर्लिंगटन.

अपने जमाने के दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन 58 साल की उम्र में अपना पुराना जादू नहीं दिखा पाए और यहां एक बहुप्रचारित मुकाबले में 27 साल के जैक पॉल से हार गए। टायसन 20 साल बाद पेशेवर मुकाबला खेलने के लिए रिंग पर उतरे थे और इसलिए इस मुकाबले को लेकर काफी प्रचार प्रसार किया गया था। मुकाबला हालांकि उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा और दर्शकों ने इस पर खुलकर नाराजगी भी व्यक्त की। यूट्यूबर से मुक्केबाज बने जैक पॉल को सर्वसम्मति से विजेता घोषित किया गया। जीत के अंतर को लेकर हालांकि जज एकमत नहीं थे। एक जज ने पॉल को 80-72 से जबकि दो अन्य जज ने 79-73 से विजेता घोषित किया। टायसन ने शुरू में आक्रामकता दिखाई लेकिन वह इसे बरकरार नहीं रख पाए। दूसरी तरफ जैक पॉल इससे अधिक आक्रामक हो गए। टायसन के पास उनके करारे मुक्कों का कोई जवाब नहीं था। मुकाबला पहले 20 जुलाई को होना था लेकिन टायसन बीमार पड़ गये। इसी के साथ आयोजित किए गए एक अन्य मुकाबले में केटी टेलर ने अमांडा सेरानो को हराकर अपना सुपर लाइटवेट खिताब बरकरार रखा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुकाबले में 500 करोड़ से ज्यादा का इनाम

आरसीबी में ओमकार साल्वी की एंट्री

मुंबई.

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले आरसीबी ने बड़ा फैसला लेते हुए मुंबई की रणजी टीम के हेड कोच को अपनी टीम में शामिल किया है. बात हो रही है ओमकार साल्वी की जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नए फास्ट बॉलिंग कोच होंगे.ओमकार साल्वी घरेलू क्रिकेट की कोचिंग में बड़ा नाम हैं.ओमकार साल्वी ने 2023-24 रणजी ट्रॉफी के लिए मुंबई का दामन थामा था और उनकी कोचिंग में ही ये टीम 8 साल बाद रणजी ट्रॉफी जीतने में कामयाब रही. यही नहीं साल्वी की ही कोचिंग में मुंबई की टीम ने ईरानी कप भी जीता. ये प्रतिष्ठित ट्रॉफी मुंबई ने 27 साल के बाद जीती. आरसीबी के सूत्रों के मुताबिक ओमकार साल्वी मार्च 2025 के बाद टीम से जुड़ेंगे. घरेलू सीजन खत्म होने के बाद ही वो आरसीबी का दामन थामेंगे. रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीएल 2025 का आगाज मार्च के अंतिम हफ्ते में हो सकता है. साल्वी का उस समय तक मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के साथ करार है.

ओमकार साल्वी का बतौर खिलाड़ी कोई ज्यादा अनुभव नहीं है. वो साल 2005 में रेलवे के लिए सिर्फ एक मैच खेले हैं.उन्होंने करियर में सिर्फ एक ही विकेट हासिल किया. लेकिन खिलाड़ियों के बीच में वो बतौर कोच काफी पॉपुलर हैं. इस साल भी उनकी कोचिंग में मुंबई रणजी ट्रॉफी के एलिट ग्रुप में तीसरे नंबर पर है. टीम ने 5 मैचों में 22 अंक बनाए हुए हैं.साल्वी को आईपीएल का भी अनुभव है. वो कोलकाता नाइट राइडर्स के असिस्टेंट बॉलिंग कोच भी रह चुके हैं. ओमकार साल्वी टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज आविष्कार साल्वी के भाई हैं. आविष्कार साल्वी ने टीम इंडिया के लिए 4 वनडे मैच खेले, जिसमें उनके नाम 4 विकेट थे. साल्वी ने फर्स्ट क्लास मैचों में 62 मैचों में 169 विकेट हासिल किए. लिस्ट ए में साल्वी ने 52 मैचों में 71 विकेट हासिल किए.आविष्कार ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व भी किया है और वो 7 मैचों में 7 विकेट हासिल करने में कामयाब रहे.

ओमान के खिलाड़ी ने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ मचाई खलबली

नयी दिल्ली.

नीदरलैंड्स और ओमान के बीच 16 नवंबर को खेले गए सीरीज के तीसरी टी-20 मैच में नीदरलैंड्स को 29 रनों से जीत मिली. तीन टी-20 मैचों की सीरीज में नीदरलैंड्स ने 2-1 से जीत हासिल करने में सफलता हासिल की. इस सीरीज के तीसरे टी-20 मैच में ओमान के खिलाड़ी शकील अहमद ने एक ऐसा कमाल किया है जिसकी चर्चा हो रही है. दरअसल, शकील अहमद ने टी-20 इंटरनेशनल का एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है. बता दें कि तीसरे टी-20 मैच में नीदरलैंड्स ने पहले बल्लेबाजी की थी और 20 ओवर में 9 विकेट पर 147 रन बनाए थे, जिसके बाद ओमान की टीम 9 विकेट पर 118 रन ही बना और नीदरलैंड्स 29 रन से मैच जीतने में सफल रहा. भले ही नीदरलैंड्स की टीम मैच जीतने में सफल रही लेकिन ओमान के 10वें नंबर वाले बल्लेबाज शाकील अहमद ने टी-20 इंटरनेशनल में वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया. दरअसल, ओमान की पारी के दौरान, शकील अहमद नंबर 10 पर बल्लेबाजी करने उतरे और चौंकाते हुए 33 गेंद पर 45 रन आतिशी पारी खेली. अपनी पारी में शकील ने 3 चौके और 2 छक्के लगाए. शकील ने अपनी 45 रन की पारी के दौरान वेस्टइंडीज के अकील होसेन के द्वारा बनाए गए वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ दिया. और टी-20 इंटरनेशनल में नंबर 10 पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गए.इससे पहले यह वर्ल्ड रिकॉर्ड होसेन के नाम था. अकील होसेन ने साल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 इंटरनेशन में नंबर 10 पर बैटिंग करते हुए नाबाद 44 रन की पारी खेली थी. अब ओमान के खिलाड़ी शकील अहमद टी-20 इंटरनेशनल में नंबर 10 पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. यानी एक अनजान खिलाड़ी ने टी-20 इंटरनेशनल में ऐतिहासिक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है.

बता दें कि शकील अहमद तीसरे टी-20 में 45 रन बनाने के बाद रन आउट हो गए.

भोसला पब्लिक स्कूल मे आत्मरक्षा विशेष दिवस संपन्न

नागपुर.

भोसला पब्लिक स्कूल में आत्म सुरक्षा सप्ताह मनाया गया. 11 नवंबर से 16 नवंबर तक और 14 नवम्बर बाल दिवस के अवसर पर बच्चों ने अनेक अलग अलग तरह के आत्मसुरक्षा के संबंधित आक्रमक प्रभावी मुक्स का प्रदर्शन किया। बेटियां अपनी सुरक्षा करने में खुद सक्षम हो इसके लिए अब स्कूलों में छात्राओं को सेल्फ डिफेंस की शिक्षा भी दी जा रही है। विद्यालय की प्राचार्या खेताल ने छात्रों को आत्मरक्षा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी और बच्चों को और अच्छा करने का हौसला दिलाया.विद्यालय की उपप्राचार्य गीता दुबे ने छात्रों को और खास करके लड़कियों के खिलाफ अपराध कम हो, इसके लिए पुलिस भी अभियान चला रही है.स्कूलों में पहुंच कर बेटियों को गुड टच, बेड टच के साथ ही उन्हें हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी।आज के इस दौर में हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि सबसे पहले आत्मरक्षा खुद करें. बच्चों के कराटे के प्रशिक्षक चंद्रकांत तारेकर ने काफी अच्छा प्रशिक्षण प्रदान किया और उनके कुशल नेतृत्व में छात्रों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया.

जूनियर एशिया कप हॉकी के लिए 20 खिलाड़ियों को मिला मौका

नई दिल्ली.

डिफेंडर आमिर अली मस्कट में 26 नवंबर से होने वाले पुरूष जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम के कप्तान होंगे। यह टूर्नामेंट अगले साल होने वाले जूनियर विश्व कप का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

भारत ने रिकॉर्ड चार बार टूर्नामेंट जीता (2004,2008,2015, 2023) है। उसने पाकिस्तान को पिछले साल 2-1 से हराकर खिताब जीता था।

इस साल टूर्नामेंट में 10 टीमों को 5-5 के दो पूल में बांटा गया है। भारत के साथ चीनी ताइपे, जापान, कोरिया और थाईलैंड पूल ए में हैं जबकि बांग्लादेश, मलेशिया, चीन, ओमान और पाकिस्तान पूल बी में हैं। भारत ने मेजबान होने के नाते एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप के लिये स्वत: क्वालीफाई कर लिया है।

कोच पी आर श्रीजेश के मार्गदर्शन में टीम जोहोर कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। श्रीजेश ने कहा,'जोहोर कप कई खिलाड़ियों के लिए पहला अनुभव था लेकिन उन्होंने जबर्दस्त प्रदर्शन किया। मैं उनके प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। खिलाड़ियों ने बेंगलुरू में राष्ट्रीय शिविर में काफी मेहनत की है और हमने अपने खेल में कुछ बदलाव भी किए हैं।'

भारत में खेला जाएगा खो खो का पहला वर्ल्ड कप

नई दिल्ली.

भारत के प्राचीन खेल "खो खो" के पहले वर्ल्ड कप के आयोजन से भारतीय मिट्टी से जुड़े इस खेल को वैश्विक स्तर पर पहचान स्थापित करने में मदद मिलेगी और भविष्य में ओलिंपिक और एशियाई खेलों में प्रवेश का रास्ता प्रशस्त हो जायेगा। पीछा करने के सदियों पुराने रोमांचक खेल खो-खो की जड़े भारतीय पौराणिक कथाओं में हैं। इतिहास में इसका वर्णन मौर्य शासन काल चौथी ईसा पूर्व में मिलता है। "खो खो" खेल का वर्णन महाभारत काल में भी किया गया है। इस खेल के आधुनिक स्वरूप की शुरुआत महाराष्ट्र में हुई थी, जोकि आज दुनिया के सभी महाद्वीपों तक पहुंच गया है। वर्ष 1914 में बाल गंगाधर तिलक ने पहली बार खो खो खेल के नियमों पर रूल बुक लिखी

यूरोप से जर्मनी, नीदरलैंड पोलैंड और इंग्लैंड, प्रतिभागी होंगे जबकि उत्तरी अमेरिका का प्रतिनिधित्व अमेरिका और कनाडा करेंगे।

दक्षिण अमेरिका महाद्वीप से पेरू और ब्राजील की टीमें होंगी जबकि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ओशिनिया की टीमें होंगी।

पुरष बर्ग में अफ्रीका महाद्वीप से घाना , केन्या और दक्षिण अफ्रीका भाग लेंगे । एशिया महाद्वीप से मेजबान भारत , बांग्लादेश , इंडोनेशिया , मलेशिया , नेपाल ,पाकिस्तान और दक्षिण कोरिया भाग लेंगे । यूरोप से नीदरलैंड और इंग्लैंड भाग लेंगे । नार्थ अमेरिका से अमेरिका और कनाडा के अलाबा साउथ अमेरिका से ब्राज़ील के अतिरिकत ऑस्ट्रेलिया की 16 टीमें भाग लेंगी ।

छह महाद्वीपों के 24 देश भाग लेंगे, जिनमें 16 पुरुष और 16 महिला टीमें शामिल होंगी। जबकि कुछ देश ऑब्जरवेशन डेलिगेट भेजेंगे। प्रत्येक खो खो टीम में 18 सदस्य होंगे जिसमे 15 खिलाडी , 01 कोच ,01 मैनेजर और 01 सपोर्ट स्टाफ का सदस्य होगा।

चेतेश्वर पुजारा की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में एंट्री

नई दिल्ली.

चेतेश्वर पुजारा को भले ही टीम इंडिया ने बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए स्क्वाड में शामिल नहीं किया. लेकिन इसके बावजूद अब ये खिलाड़ी इस सीरीज में नजर आने वाला है. चेतेश्वर पुजारा मैदान के अंदर तो नहीं लेकिन मैदान के बाहर से अपना जलवा दिखाने वाले हैं. दरअसल चेतेश्वर पुजारा को इस सीरीज के लिए एक खास जिम्मेदारी मिली है. पुजारा इस सीरीज में कमेंट्री करते नजर आएंगे और इसके लिए उन्हें अच्छी-खासी रकम भी मिलेगी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुजारा को हिंदी कमेंट्री के लिए साइन किया है और ऐसे में वो इस प्रतिष्ठित सीरीज के दौरान अपनी एक्सपर्ट राय फैंस के साथ साझा करते दिखेंगे.

चेतेश्वर पुजारा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल के बाद से ही टीम इंडिया से बाहर हैं.हाल ही में ये खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी और उसके साथ-साथ काउंटी क्रिकेट में अपना दम दिखा रहा था लेकिन उनकी टीम इंडिया में वापसी नहीं हो पाई. बड़ी बात ये है कि पुजारा का बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रिकॉर्ड भी कमाल है.वो इस प्रतिष्ठित सीरीज में 50.82 की औसत से 2033 रन बना चुके हैं. बॉर्डर-गावस्कर सीरीज की बात करें तो चेतेश्वर पुजारा 4 बार प्लेयर ऑफ द मैच हासिल कर चुके हैं. जबकि विराट कोहली ने एक ही बार ये अवॉर्ड जीता है. वहीं रोहित शर्मा ने कभी अपनी लाइफ में ये काम नहीं किया है.स्टीव स्मिथ और नाथन लायन जैसे खिलाड़ी भी 3-3 बार ये खिताब हासिल कर पाए हैं. साफ है बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में पुजारा का जलवा रहा है लेकिन अफसोस की बात है कि ये खिलाड़ी अब इस सीरीज में खेलता नहीं दिखेगा.

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज का आगाज 22 नवंबर से होगा.पर्थ में पहला टेस्ट खेला जाएगा जिसके लिए टीम इंडिया जोर-शोर से तैयारियां कर रही है. शुभमन गिल को भी लगी चोट

टीम इंडिया ने पिछली दो टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को उसके घर पर हराया है और इस बार भी फैंस को यही उम्मीद होगी.हालांकि इस बार टीम इंडिया पहले टेस्ट मैच से ही फुल स्ट्रेंथ टीम के साथ नहीं उतर रही है. पहले मैच में कप्तान रोहित शर्मा भी नहीं हैं. वहीं शुभमन गिल को भी चोट लग चुकी है.

मेगा ऑक्शन में 'पाकिस्तानी' खिलाड़ी पर भी लगेगी बोली!

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दाह में आयोजित किया जाएगा। ऑक्शन में 574 खिलाड़ियों का भविष्य दांव पर होगा, जिसमें 366 भारतीय जबकि 208 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। तीन खिलाड़ी एसोसिएट टीमों से हैं। जिसमें अमेरिकी क्रिकेटर अली खान, पूर्व भारतीय अंडर-19 कप्तान उन्मुक्त चंद और स्कॉटलैंड के ब्रैंडन मक्मलेन का नाम शामिल है। तीनों एसोसिएट खिलाड़ियों का बेस प्राइज़ 30 लाख रुपये हैं। इन में से उन्मुक्त चंद पहले आईपीएल खेल चुके हैं। वे आईपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स, राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2016 में मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल खेला था। वहीं पाकिस्तानी मूल के अली खान कोलकाता नाइट राडर्स का हिस्सा रेह चुके हैं। लेकिन उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला था।तीनों एसोसिएट खिलाड़ियों का बेस प्राइज़ 30 लाख रुपये हैं। इन में से उन्मुक्त चंद पहले आईपीएल खेल चुके हैं।

हरियाणा स्टीलर्स ने तमिल थलाइवाज को हराया

नोएडा.

हरियाणा स्टीलर्स ने रविवार को प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के एक बेहद रोमांचक मुकाबले मे तमिल थलाइवाज को 36-29 से हरा दिया। लगातार पांचवीं जीत के साथ हरियाणा ने खुद को प्वाइंट टेबल के शीर्ष पर मजबूत किया है। दूसरी ओर, थलाइवाज को 11 मुकाबलों में छठी हार मिली।

नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गये मैच के अंतिम मिनट में थलाइवाज को आलआउट करने वाली हरियाणा को 10 मैचों में आठवीं जीत दिलाने में विनय (10), शिवम पटारे (6) और डिफेंस में मोहम्मदरेजा शादलू (8) की अहम भूमिका रही।

थलाइवाज के लिए मोइन शफागी (7) सबसे सफल रहे जबकि डिफेंस में नीतेश कुमार (3) ने प्रभावित किया। हरियाणा ने तीन मिनट के भीतर 2-0 की लीड बनाई लेकिन थलाइवाज ने जल्द ही 3-2 की लीड ले ली। इस बीच विशाल ने संजय का शिकार कर हरियाणा को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। सात के डिफेंस में शादलू रेड पर आए और लपक लिए गए।

फिर विशाल ने एक और शिकार के साथ स्कोर 6-3 किया लेकिन विनय ने आलआउट टाल दिया। इसके बाद विशाल ने टाटे को आउट किया। अब विनय अकेले बचे। फिर क्या था विनय ने सुपर रेड के साथ स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद सेतपाल ने विशाल को सुपर टैकल कर हरियाणा को 9-7 से आगे कर दिया।

ब्रेक के बाद हालांकि विनय डू ओर डाई रेड पर लपके गए। फिर शफागी ने साहिल का शिकार कर स्कोर 9-9 कर दिया। शफागी ने अगली रेड पर संजय को और डिफेंस ने शिवम को लपक हरियाणा का सूपड़ा साफ कर 13-10 की लीड दिला दी।

इब्राहिम संग अफेयर पर पलक ने तोड़ी चुप्पी

श्वेता तिवारी की लाडली पलक तिवारी इन दिनों मालदीव में वेकेशन एंजॉय कर रही हैं. हाल ही में पलक ने अपनी कुछ बिकिनी फोटोज शेयर की थीं, जो सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो गईं. वहीं एक्ट्रेस के रूमर्ड बॉयफ्रेंड इब्राहिम अली खान भी इन दिनों मालदीव में हैं और वह लगातार अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर रहे हैं. दोनों की तस्वीरें देखकर यह कयास लगाए जा रहे हैं कि पलक और इब्राहिम मालदीव में एक-साथ वेकेशन मना रहे हैं. बता दें कि इस वेकेशन से पहले भी पलक और इब्राहिम को कई बार एक-साथ स्पॉट हो चुके हैं. लेकिन कुछ समय पहले पलक ने इब्राहिम अली खान संग अपने रिश्ते पर चुप्पी तोड़ी थी.

एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने इब्राहिम संग अपने रिश्ते पर चुप्पी तोड़ी थी. एक्ट्रेस ने पॉडकास्ट में कहा था,'मैं और इब्राहिम केवल पब्लिक इवेंट या फिर सोशल गैदरिंग में मिलते हैं. इसके अलावा हम दोनों कभी टच में नहीं रहे और ना ही इब्राहिम ने मुझे कभी मैसेज किया. वह केवल मेरा एक अच्छा दोस्त है और मैं उसकी कंपनी को एंजॉय करती हूं.'बता दें कि एक्ट्रेस पलक तिवारी ने पिछले साल रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में नजर आई थीं. इस मूवी से श्वेता तिवारी की लाडली ने डेब्यू किया था. इसके अलावा वह म्यूजिक वीडियोज भी कर चुकी हैं. वहीं इब्राहिम अली खान की बात करें तो सैफ अली खान और अमृता सिंह के लाडले जल्द ही फिल्मों में कदम रखने वाले हैं. इब्राहिम को फेमस फिल्ममेकर करण जौहर लॉन्च करने वाले हैं.

'वॉर 2' में स्त्री की एंट्री!

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स वालों ने तगड़ी प्लानिंग कर रखी है. इस वक्त दो बड़ी फिल्मों पर काम चल रहा है. इसमें 'वॉर 2' और 'अल्फा' शामिल है. फिलहाल ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर का फेस ऑफ सीक्वेंस फिल्माया जा रहा है. इसी बीच फिल्म के डांस नंबर पर बड़ा अपडेट आ गया है. हाल ही में पता लगा कि ऋतिक रोशन की फिल्म में 'स्त्री' की एंट्री हो गई है.

'वॉर 2' के एक गाने की शूटिंग पहले ही ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी कर चुके हैं. हाल ही में 123 तेलुगु डॉट कॉम पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि मेकर्स फिल्म में एक डांस नंबर रखने की प्लानिंग कर चुके हैं. इसके लिए श्रद्धा कपूर को फाइनल किया गया है.

हाल ही में जूनियर एनटीआर अपने हिस्से की शूटिंग करने मुंबई पहुंचे हैं. जहां वो ऋतिक रोशन के साथ फेस ऑफ एपिसोड शूट करेंगे. इसमें फिलहाल वक्त लगेगा. दरअसल इस सीक्वेंस के लिए जूनियर एनटीआर तगड़ा ट्रांसफॉर्मेशन करने वाले हैं. कुछ वक्त पहले ऐसी खबर आई थी कि दोनों सुपरस्टार्स के बीच एक डांस फेस ऑफ भी होने वाला है, जो फिल्म को अलग लेवल पर ले जाएगा.

ऐसा भी कहा जा रहा है कि 'वॉर 2' के एक स्पेशल डांस नंबर में धमाल मचाने के लिए श्रद्धा कपूर को लिया गया है. गाने की शूटिंग जल्द ही शुरू कर दी जाएगी. हालांकि, एक्टर्स और मेकर्स की तरफ से अबतक कुछ भी कंफर्म नहीं किया गया है. लेकिन अगर ऐसा होता है, तो जूनियर एनटीआर संग श्रद्धा कपूर का डांस परफॉर्मेंस देखने को मिलेगा.

पीएम ने 'द साबरमती रिपोर्ट' की तारीफ की

फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' को रिलीज होने के बाद काफी तारीफ मिली है. जिसकी वजह से पूरी टीम काफी खुश नजर आ रही है. वहीं फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई की है. हाल ही में फिल्म की तारीफ पीएम मोदी ने भी की है. उन्होंने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से फिल्म की तारीफ की है. फिल्म को एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया था.

पीएम मोदी ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल से आलोक भट्ट नाम के एक यूजर का एक्स पोस्ट रीपोस्ट किया है. इस पोस्ट में गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का ट्रेलर भी इस्तेमाल किया गया है. पीएम मोदी ने रीपोस्ट करते हुए लिखा है, ये अच्छी बात है कि ये सच सामने आ रहा है और वो भी एक ऐसे तरीके से जिससे आम लोग इसे देख सकें. एक फेक नैरेटिव कुछ समय तक ही चल सकता है. आखिरकार, फैक्ट्स हमेशा सामने आते हैं!

विक्रांत मैसी की ये फिल्म 27 फरवरी साल 2002 में गोधरा में हुए अग्निकांड पर बनाई गई है. उस टाइम गुजरात के गोधरा में अयोध्या से वापस लौट रही साबरमती एक्सप्रेस में सवार कार सेवकों की बोगी पर आग लगा दी गई थी. इस घटना में 59 लोगों की जान चली गई थी. वहीं 28 फरवरी से गुजरात में वीभत्स सांप्रदायिक दंगे हुए जिसमें करीब 1000 लोगों की जानें गई थीं. जब ये कांड हुआ उस दौरान देश के पीएम गुजरात के सीएम थे. जिन्होंने घटना के कुछ दिन बाद ही 2 मार्च को एक आयोग बनाया जिसका काम इस घटना की चेंज करना था.

'पुष्पा 2' के ट्रेलर इवेंट में मचा हंगामा

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की मच अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है. इस फिल्म के जरिए अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ने एक बार फिर से बॉक्स ऑफिस को हिलाने की तैयारी कर ली है. बीते दिन अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना फिल्म पुष्पा 2 के ट्रेलर को लॉन्च करने पटना पहुंचे थे.यहां पर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा. फिर क्या था... कुछ देर में ही पटना के लोगों ने अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के इवेंट में हंगामा मचा दिया. पुष्पा 2 के ट्रेलर के रिलीज से पहले ही यहां पर भगदड़ मच गई.

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के आने से पहले ही लोग बेकाबू होकर एक दूसरे पर जूते चप्पल बरसाने लग गए. ऐसे में पुलिस ने बिना देर किए भीड़ पर लाठीचार्ज कर डाला. अब सोशल मीडिया पर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के फैंस की ये हरकत वायरल हो रही है. इस वीडियो में लोग एक दूसरे की पिटाई करते नजर आ रहे हैं. लोग कह रहे हैं कि अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना को देखने के चक्कर में पटना के लोग पगला गए हैं.

फिल्म पुष्पा 2 के साउंड रिकॉर्डिस्ट रेसुल पुकुट्टी ने जूम से बात करते हुए बताया है कि उनकी टीम ने ट्रेलर लॉन्च के लिए पटना को ही क्यों चुना? रेसुल पुकुट्टी ने बताया मेकर्स चाहते थे कि पुष्पा 2 की शुरुआत उस जगह से की जाए जहां के लोगों ने पहली फिल्म को सबसे ज्यादा पसंद किया था. पुष्पा को बिहार के लोगों ने सबसे ज्यादा पसंद किया था. यही वजह है जो इस फिल्म ने बिहार में ताबड़तोड़ कमाई की थी. यही वजह है जो अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म के ट्रेलर को पटना में लॉन्च किया गया है.

100 करोड़ के बंगले में रहते हैं अल्लू अर्जुन

साउथ इंडस्ट्री के पॉपुलर एक्टर अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'पुष्पा 2' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. ये फिल्म 5 दिसंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होने वाली है. वहीं, फिल्म 'पुष्पा 2' का ट्रेलर कल शाम लॉन्च हो गया. अल्लू अर्जुन की फिल्म का ट्रेलर लॉन्च से पहले उनके 100 करोड़ रुपये के आलीशान घर के तस्वीरों पर नजर डालते हैं. एक्टर का घर हर सुख-सुविधा से लैस है. अल्लू अर्जुन के घर की तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं.

अल्लू अर्जुन और उनकी पत्नी के इंस्टाग्राम अकाउंट से घर की तस्वीरें सामने आती रहती हैं. एक्टर के घर में काफी स्पेस और खूबसूरत भी है. अल्लू अर्जुन के घर में सुविधा की हर चीज मौजूद है. रिपोर्ट में बताया जाता है कि एक्टर के घर की कीमत 100 करोड़ रुपये है. अल्लू अर्जुन के आलीशान घर में स्विमिंग पूल है. वह अक्सर अकेले या अपने बच्चों के साथ स्विमिंग पूल का उपयोग करते नजर आते हैं. अल्लू अर्जुन का लिविंग एरिया में काफी स्पेस है. अल्लू अर्जुन अपनी पत्नी और दोनों बच्चों के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं. अल्लू अर्जुन की पत्नी फिल्मी दुनिया में एक्टिव नहीं हैं लेकिन सोशल मीडिया पर बनी रहती हैं. वह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से घर के अंदर की तस्वीरें दिखाती रहती हैं.

दो साल की हुई देवी

हाल ही में बॉलीवुड स्टार बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने अपनी बेटी देवी का दूसरा बर्थडे सेलिब्रेट किया, इस दौरान कपल मालदीव में थे. उन्होंने बेहद ही प्राइवेट तरीके से बीच के किनारे सेलिब्रेट की, जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की. अब हाल ही में आज यानी 18 नवंबर को देवी के बर्थडे की एक और तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने अपने परिवार के साथ जश्न मनाया है.12 नवंबर को बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर की बेटी देवी 2 साल की हो गई, इस दौरान परिवार जश्न में डूबा नजर आया. देवी का बर्थ डे दो बार सेलिब्रेट किया गया, जिसमें से एक बर्थ डे मालदीव में और दूसरा परिवार वालों और दोस्तों के साथ मुंबई में मनाया. बिपाशा ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर दोनों ही सेलिब्रेशन की तस्वीरें पोस्ट की है. हाल ही मुंबई में मनाए गए जश्न की तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा कि कल रात हमने अपने परिवार के साथ जश्न मनाया और हमारी बेटी ने पहली बार जमकर पार्टी की.मालदीव की शेयर की गई फोटो में बिपाशा, करण और उनकी बेटी बीच किनारे नजर आ रहे है. बर्थडे सेलिब्रेट करने के लिए केक, गुब्बारे और हैप्पी बर्थडे का बैनर लगे हुए हैं. शेयर किए गए एक वीडियो में देवी रेत से खेलती और उसमें दौड़ते दिख रही हैं, जिसे कैंडिड शॉट्स में कैद किया गया है. देवी इस दौरान व्हाइट कलर के प्यारे से ड्रेस में नजर आई, इसके साथ ही उसने बैलेरीना जूते पहने हुए थे.

70 की उम्र में फिर रेट्रो क्वीन बनीं रेखा

बॉलीवुड के फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने हाल ही में रेखा के रेट्रो लुक की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. जिसमें वो ऑल ब्लैक लुक में अपनी दिलकश अदाएं दिखाती नजर आईं. तस्वीरें में एक्ट्रेस ऑल ब्लैक लुक में कहर ढहाती नजर आई. रेखा ने इन तस्वीरों के जरिए एक बार फिर ये साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ एक नंबर है. हर कोई उनके इस लुक के दीवाने बन बैठे हैं. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस के साथ-साथ मनीषा कोइराला समेत कई बड़े स्टार्स भी प्यार लुटा रहे हैं. एक यूजर ने तो ये तक कह डाला कि ये हैं बॉलीवुड की असली ओजी डीवा. वहीं कुछ वक्त पहले भी मनीष मल्होत्रा ने रेखा की कई खूबसूरत तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की थी. इनमें भी उनका ग्लैमरस लुक देखने को मिला था. रेखा हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री हैं. जिन्होंने अपने अभी तक के करियर में एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी है. वहीं काम के साथ-साथ रेखा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों रहती हैं. उनके अफेयर की चर्चा सबसे ज्यादा अमिताभ बच्चन के साथ रही थी. कहा जाता है कि दोनों के बीच बेइंतहा प्यार था.

बिहार के रंग में रंगी रश्मिका मंदाना

17 नवंबर को साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड अपकमिंग फिल्म 'पुष्पा: द रूल' का ट्रेलर लॉन्च किया गया. खास बात ये है कि फिल्म के ट्रेलर लॉन्च करने के लिए मेकर्स ने बिहार का पटना शहर चुना. इस खबर को सुनने के बाद से ही बिहार वालों में एक्साइटमेंट दिख रही थी, सोशल मीडिया पर भी लोग 'पुष्पा 2' की टीम के स्वागत की बात करते नजर आ रहे थे. हालांकि, इन सभी के बीच रश्मिका मंदाना ने स्टेज पर जाते ही सभी को हैरान कर दिया.

पटना के गांधी मैदान में लोगों की भारी भीड़ नजर आई, इस इवेंट के दौरान रश्मिका मंदाना ने स्टेज से बिहार वालों का अलग अंदाज में अभिनंदन किया. स्टेज पर जाने के बाद ही रश्मिका ने नमस्ते से शुरुआत करते हुए वहां मौजूद लोगों से भोजपुरी में हालचाल पूछा. एक्ट्रेस

ने सबसे पहले कहा, का हाल बा, ये सुनने के बाद ही लोगों की तालियों की आवाज से पूरा मैदान गूंज उठा. इसके बाद ही रश्मिका ने अगली लाइन में बोला,"सब ठीक-ठाक बा नू",इतना कहने के साथ ही रश्मिका तेज से हंसने लगीं. रश्मिका के इस तरह से बिहार के रंग में रंगा देख लोगों ने उन्हें काफी पसंद किया. उनका ये वीडियो 17 नवंबर की शाम से ही सोशल मीडिया पर फैल गया.भोजपुरी बोलने के साथ ही साथ उन्होंने लोगों का इवेंट में आने का स्वागत किया. उन्होंने लोगों से 'पुष्पा 2' देखने की अपील करते हुए कहा,"मैं पुष्पा की श्रीवल्ली आप सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं.आप लोग जरूर जरूर 5 दिसंबर को मूवी देखिएगा."रश्मिका ने आई लव यू पटना कहते हुए स्टेज से अलविदा कह दिया.'पुष्पा' स्टार अल्लू अर्जुन ने भी बिहार के लोगों के सामने अपना प्यार जाहिर किया. 'पुष्पा: द रूल' 5 दिसंबर को रिलीज होगी. दर्शक इस फिल्म का लंबे वक्त से इंतजार कर रहे थे, 'पुष्पा' के पहले पार्ट को भी लोगों ने खूब प्यार दिया था.'पुष्पा: द राइज' साल 2021 में रिलीज किया गया था, इस फिल्म के गाने से लेकर फिल्म के डायलॉग भी काफी फेमस हो गए थे.

बॉबी का चौथा बेटा पड़ेगा सब पर भारी !

'कंगूवा' को लेकर जितना माहौल सेट किया गया था, अबतक वैसा जादू नहीं चल पाया है. खासकर बॉबी देओल को लेकर जो उम्मीदें थी, वो फिल्म में खो ही गई. पहले तो उनकी एंट्री ही सेकंड हाफ में हुई, उस पर ऐसी डबिंग, जिसे देखकर हर कोई कहने को मजबूर हो गया, यह क्या ही मजाक है? सूर्या और बॉबी देओल को भूल जाइए, क्योंकि फिल्म में बॉबी देओल के चौथे बेटे का किरदार निभाने वाले कार्ति ने सबसे ज्यादा इम्प्रेस किया है. कार्तिक शिवकुमार (कार्ति) का 'कंगूवा' में कैमियो था. उनकी एकदम आखिर में फिल्म में एंट्री होती है, जब फिल्म में बॉबी देओल को सूर्या मार देते हैं. पर कम स्क्रीन टाइम के बावजूद कार्ति जितने खतरनाक अंदाज में दिखे, वो लाजवाब था. दरअसल उन्होंने ही बॉबी देओल का फिल्म से पत्ता काटा है.

यूं तो 'कंगूवा' के पहले पार्ट में कार्तिक एकदम आखिर में दिखाई देते हैं.